MAP_IT

मध्यप्रदेश एजेंसी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी
47-A अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)-462011
Website : www.mapit.gov.in
Contact No : 0755-2518702, 2769825

मध्यप्रदेश शासन
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

यूनिकोड मैन्युअल

(यूनिकोड तकनीक आधारित फोन्ट्स के उपयोग की सचित्र मार्गदर्शिका)

MAP_IT

मध्यप्रदेश एजेंसी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी (मैप-आई.टी.)
(सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, म.प्र. शासन की रजिस्टर्ड सोसायटी)

मध्यप्रदेश शासन
सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

यूनिकोड मैन्युअल

(यूनिकोड तकनीक आधारित फोन्ट्स के उपयोग की सचित्र मार्गदर्शिका)

MAP_IT

मध्यप्रदेश एजेंसी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी (मैप-आई.टी.)
(सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, म.प्र. शासन की रजिस्टर्ड सोसायटी)

महत्वपूर्ण :-

1) इस पुस्तिका में दी गयी यूनिकोड इनस्टॉल करने की प्रक्रिया केवल एक बार करनी होती है| इसके पश्चात् टाइपिंग कार्य उसी प्रकार होता है जैसा वर्तमान में कृतिदेव या देवलिसिस आदि में किया जाता है | इसलिए यदि किसी कंप्यूटर में यूनिकोड इनस्टॉल हो, तो टाइपिस्ट आसानी से यूनिकोड में टाइप कर सकता है |

2) म. प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक 904/1507/2013/I-9, दिनांक 28/06/2013 के अनुसार शासकीय कार्य में यूनिकोड फॉण्ट का उपयोग करना अनिवार्य है | इस आदेश द्वारा शासकीय कार्य में कृतिदेव, देवलिसिस आदि ट्रू फॉण्ट के उपयोग को प्रतिबंधित किया गया |

प्रकाशक : मध्यप्रदेश एजेंसी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्फॉरमेशन टेक्नालॉजी (मेप आईटी)
47-A अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

आकल्पन एवं मुद्रण : मध्यप्रदेश माध्यम, भोपाल

संकलन - मेप आई.टी.
प्रथम संस्करण 2014

(पुस्तक के आंशिक अथवा सम्पूर्ण विषयवस्तु के उपयोग के लिए पूर्वानुमति आवश्यक नहीं है।)

विषय सूची

क्र.	विषय	पृष्ठ क्र.
अध्याय-1	यूनिकोड का परिचय	1
1.1	यूनिकोड क्या है	1
1.2	यूनिकोड क्यों	1
1.3	भाषा एवं लिपि में अंतर	2
1.4	यूनिकोड टेक्नोलॉजी की विशेषतायें	3
1.5	यूनिकोड टेक्नोलॉजी के लाभ	4
1.6	कम्प्युटर को यूनिकोड में कार्य करने योग्य बनाना	4-7
1.7	हिंदी टाइपिंग keyboard का चयन	8-9
अध्याय-2	यूनिकोड टेक्नोलॉजी का प्रयोग	10
2.1	भारत सरकार द्वारा निर्मित यूनिकोड टेक्नोलॉजी	10-18
2.2	माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित यूनिकोड टेक्नोलॉजी	19-24
2.3	Google कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित यूनिकोड टेक्नोलॉजी	25-27
अध्याय-3	टेक्नोलॉजी एवं सपोर्टिंग सिस्टम	28
3.1	विभिन्न टूल्स में टेक्नोलॉजी का तुलनात्मक विश्लेषण	28
3.2	विभिन्न टूल्स हेतु सपोर्टिंग सिस्टम (Converter) का तुलनात्मक विश्लेषण	29

अध्याय-4	यूनिकोड कन्वर्टर	30
4.1	Tdil(भारत सरकार-कोड परिवर्तक)	30-40
4.2	Tbil (माइक्रोसॉफ्ट-कोड परिवर्तक)	41-46
4.3	दोनों कन्वर्टर में अंतर	47
अध्याय-5	इन्टरनेट पर यूनिकोड टेक्नोलॉजी का उपयोग	48
5.1	Google पर यूनिकोड का प्रयोग	48
5.2	ई-mail पर यूनिकोड का प्रयोग	49
अध्याय-6	प्रश्नावली	50
6.1	बुनियादी जानकारी	50
6.2	यूनिकोड टेक्नोलॉजी पर आधारित प्रश्न	51-57
6.3	यूनिकोड कनवर्टर पर आधारित प्रश्न	58-60
अध्याय-7	यूनिकोड हेतु शासकीय आदेश	61
अध्याय-8	सन्दर्भ सूची	63

अध्याय - 1

यूनिकोड का परिचय

1.1 यूनिकोड क्या है?

सर्वप्रथम हमें यह समझना आवश्यक होगा कि यूनिकोड क्या है? क्या यूनिकोड कोई फॉण्ट है? क्या यूनिकोड कोई टंकण का टूल है? या यूनिकोड कोई हिन्दी में टंकण करने का तरीका है? वस्तुत: यूनिकोड एक टेक्नोलॉजी (Technology) है। यदि हम देखें तो कम्प्यूटर मूल रूप से नम्बर्स से संबंध रखता है एवं नम्बर्स पर ही आधारित है । अन्तर सिर्फ इतना है कि यूनिकोड टेक्नोलॉजी में विश्वस्तर पर एवं प्रचलित प्रत्येक लिपि के वर्णमाला के प्रत्येक अक्षर के लिए चार अंकों का यूनिक कोड (अद्‌वितीय मान) प्रदान किया गया है।

1.2. यूनिकोड क्यों ?

जब वर्तमान में प्रचलित फॉण्ट से हमारा कार्य सम्पादित हो रहा है तो ऐसी स्थिति में यूनिकोड की आवश्यकता क्यों है? इस प्रश्न का उत्तर यह है कि वर्तमान में प्रचलित देवनागरी लिपि के फॉण्ट जैसे- कृतिदेव, देवलिसिस, कलाकार एवं अन्य फण्ट सिस्टम स्पेसिफिक होने के कारण यह फॉण्ट जिस सिस्टम में इंस्टॉल होते है संबंधित लिपि में टाईप किया गया मैटर उसी में दिखाई देता है, यदि आपके सिस्टम में वह फॉण्ट नहीं है तो मैटर रोमन लिपि में गारबेज की तरह दिखायी देगा तथा उपलब्ध मैटर पढ़ने योग्य नहीं होगा, जब तक कि आप अपने सिस्टम में संबंधित फॉण्ट या उसी श्रेणी का दूसरा फॉण्ट इंस्टॉल नहीं करते। यूनिकोड टेक्नोलॉजी विश्व की सभी लिपियों से सभी संकेतों के लिए एक अलग कोड बिन्दु प्रदान करता है जो कि एक ही फॉण्ट में उपलब्ध रहती है (जैसे:- एरियल यूनीकोड, मंगल, अक्षर यूनीकोड, अपराजिता आदि)। यूनिकोड टेक्नोलॉजी आधारित

फॉण्ट में टाईप किया गया मैटर, आपके सिस्टम में फॉण्ट हो या न हो, वह उसी लिपि में दिखायी देगा, और पढने योग्य होगा | उदहारण के लिए यदि आप यूनिकोड का उपयोग कर देवनागरी लिपि में लिखते है, तो विश्व के किसी भी कंप्यूटर पर वह देवनागरी में ही दिखेगा | इसी प्रकार यदि चीनी,जापानी या किसी भी भाषा की लिपी में लिखा लेख हमारे कंप्यूटर पर उसी भाषा की लिपि में दिखायी देगा|

1.3 भाषा एवं लिपि में अंतर

विचार संप्रेषण के अनेक माध्यम है, जिनमें भाषा एक है | हम अपने विचार, संकेतों (इशारों) द्वारा, ध्वनि द्वारा या लिख कर प्रेषित कर सकते है | संकेतों की कोई भाषा नहीं होती है , परन्तु ध्वनि (बोलने) की भाषा होती है | उदाहरणार्थ हम हिंदी या अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा में बोलते हैं | दूसरे शब्दों में भाषा को ध्वनि के माध्यम से संप्रेषित करते है | भाषा को संप्रेषित करने का दूसरा तरीका लिखना है |

भाषा जब लिखकर संप्रेषित की जाति है, तो इसका माध्यम लिपि होती है | एक भाषा कई लिपियों में लिखी जा सकती है, जबकि दो या अधिक भाषाओँ की एक लिपि हो सकती है | जैसे कि हिंदी की लिपि देवनागरी (अ,आ,इ,ई,.....) है | इसी प्रकार अंग्रेजी भाषा की लिपि रोमन (a,b,c,d,...) है | हम किसी भी भाषा को किसी भी लिपि में लिख सकते हैं | जैसे - मै जाता हूँ - mai jata hoon , आई एम गोइंग , i am going आदि | परन्तु जब भाषा अपनी लिपि में (जैसे -हिंदी देवनागरी में) लिखी जाति है, तब वह शीघ्रता से समझ में आती है | यूनिकोड भाषा नहीं, बल्कि लिपि से संबंधित तकनीकी है, ताकि उस लिपि में लिखा मैटर (टेक्स्ट) सार्वत्रिक रूप से अपने वास्तविक रूप में दिखायी दे |

1.4 यूनिकोड टेक्नोलॉजी की विशेषताएँ

1. यह विश्व की सभी लिपियों से सभी संकेतों (अक्षरों ,मात्राओं आदि) के लिए एक अलग कोड बिन्दु प्रदान करता है।
2. जहाँ भी सम्भव होता है, यूनिकोड भाषाओं का एकीकरण करने का प्रयत्न करता है।
3. बाएँ से दाएँ लिखी जाने वाली लिपियों के अतिरिक्त दाएँ-से-बाएँ लिखी जाने वाली लिपियों (अरबी, हिब्रू आदि) को भी इसमें शामिल किया गया है।
4. यूनिकोड स्टेंडर्ड एक 16 - बिट का एनकोडिंग मानक है। जिसका प्रयोग अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुभाषी सॉफ्टवेयर के विकास हेतु किया जाता है।
5. यूनिकोड मानक एक सार्वभौमिक अक्षर एनकोडिंग मानक है जिसका प्रयोग कम्प्यूटर प्रोसेसिंग के लिए Text के निरूपण में किया जाता है।
6. यूनिकोड मानक दुनिया की लिखित भाषाओं के लिए सभी प्रयुक्त अक्षरों की एनकोडिंग की क्षमता प्रदान करता है |
7. यूनिकोड फॉन्ट्स Platform Independent होते हैं। विंडो 95/98/2000/Xp-2003/विंडो 2007 या लिनक्स अथवा अन्य किसी भी प्लेटफार्म जिसमें मोबाईल फोन भी सम्मिलित हैं, पर बिना किसी कठिनाई के प्रयुक्त किये जा सकते हैं ।
8. यूनिकोड फॉन्ट्स से हिन्दी सहित अन्य भारतीय भाषाओं में ई-मेल भेजना एवं इंटरनेट पर सामग्री खोज की जा सकती है। सभी वेब-बेस्ड सर्च इंजन एवं अन्य कार्यों में यह प्रभावी रूप से तथा सरलता से प्रयुक्त होता है ।

1.5 यूनिकोड के लाभ

1. एक ही दस्तावेज में अनेकों भाषाओं के टेक्स्ट संबंधित लिपियों में लिखे जा सकते हैं ।
2. टेक्स्ट को केवल एक निश्चित तरीके से संस्कारित करने की आवश्यकता होती है जिससे विकास-खर्च एवं अन्य व्यय कम हो जाते हैं।
3. किसी सॉफ्टवेयर-उत्पाद का एक ही संस्करण पूरे विश्व में चलाया जा सकता है। क्षेत्रीय बाजारों के लिए अलग से संस्करण निकालने की जरूरत नहीं पड़ती।
4. किसी भी भाषा का टेक्स्ट पूरे संसार में बिना गारबेज हुए देखा जा सकता है।

1.6 कम्प्यूटर को यूनिकोड में काम करने योग्य (Unicode-compliant) बनाना

यदि आपके कम्प्यूटर में आपरेटिंग सिस्टम विण्डो 95, 98 एवं विण्डो 2000 है तो उसमें यूनिकोड आधारित टेक्नोलॉजी कार्य नहीं करेगी। इसके लिए आपके सिस्टम में विण्डो एक्सपी या उससे आधुनिक आपरेटिंग सिस्टम की आवश्यकता होगी। आपको अपने कम्प्यूटर को यूनिकोड टेक्नोलॉजी में काम करने योग्य बनाना है, तो यह कार्य आप अपने स्तर पर ही कर सकते है, इसके लिए किसी हार्डवेअर/सॉफ्टवेयर इंजीनियर की आवश्यकता नहीं होती है। यदि आपके कम्प्यूटर में ऑपरेटिंग सिस्टम विंडो एक्सपी उपलब्ध है तो यूनिकोड को इनेबल्ड करने के लिए आपको निम्नानुसार प्रक्रियाओं को करना होगा, जो कि आप आसानी से कर सकते है:-

1.6.1 सर्व प्रथम आप अपने कम्प्यूटर को बूट करें, इसके पश्चात आप Start (स्टार्ट) पर क्लिक करते हुए Control Panel (कंट्रोल पेनल) पर क्लिक करें। आपके समक्ष निम्नानुसार कंट्रोल पैनल खुल जावेगा |

इसके पश्चात आप "Regional and Language Option" पर क्लिक करें-

1.6.2 इसके पश्चात जैसे ही आप क्लिक करेंगे तो आपके समक्ष स्क्रीन पर निम्नानुसार **Regional and language option** की विंडो खुलेगी, जिसमें आपको इसमें दो ऑप्शन मिलेंगे I इनमे से आपको install files for complex script and right-to-left language... यानि प्रथम ऑप्शन पर क्लिक करना है

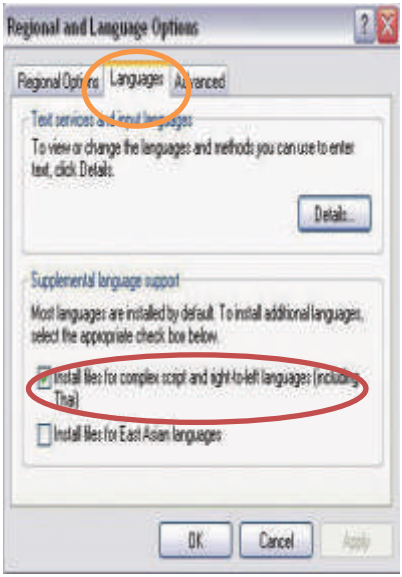

(नोट:- विंडो 7 एवं विंडो 8 में यह प्रक्रिया करने की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि वे पूर्व से ही यूनिकोड इनेबल्ड आते है।)

1.6.3 इसके पश्चात OK पर क्लिक करना होगा। OK पर क्लिक करते ही कुछ देर इन्स्टॉलेशन की प्रक्रिया चलेगी। फिर आपके समक्ष एक मैसेज विण्डो आवेगी, जिसके OK बटन पर क्लिक करने पर इन्स्टॉलेशन की प्रक्रिया चलेगी। तब आपका कम्प्यूटर आपसे विंडो एक्सपी की सीडी मांगेगा या आपके कम्प्यूटर में सेटअप हो तो आप सीधे सेलेक्ट कर के Path दे सकते है। जरूरी फाईल्स इंस्टॉल होने पर सिस्टम अपने आप रि-स्टार्ट करने के लिए कहेगा, रि-स्टार्ट करने के पूर्व सीडी ड्राईव से सीडी निकालना जरूरी होगा।

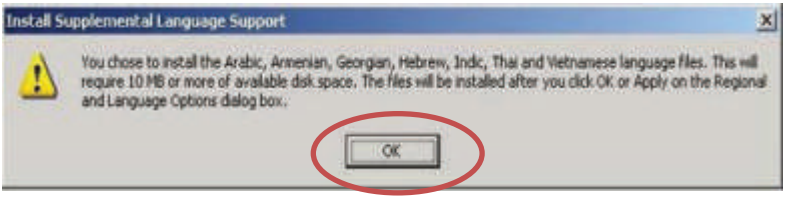

1.6.4 कम्प्यूटर चालू होने पर पुन: स्टार्ट पर क्लिक करें और कंट्रोल पेनल में जाकर **Regional and language option** पर क्लिक करें,

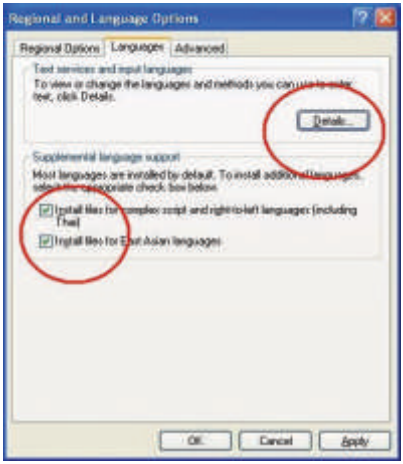

1.6.5 इसके पश्चात जो विण्डो आपके समक्ष खुलेगी वह निम्नानुसार होगी

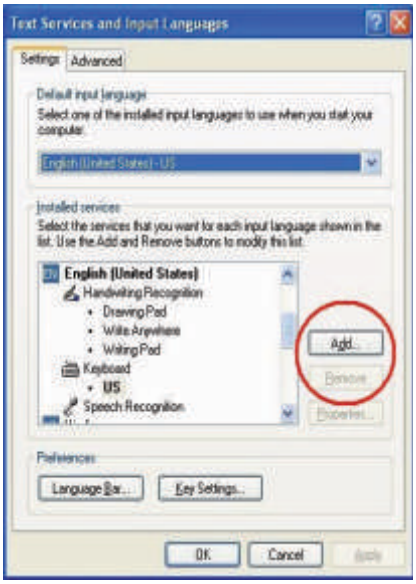

इस विंडो के लैंग्वेज टैब पर आपको क्लिक करना है। डिटेल्स पर क्लिक करने पर निम्नानुसार विण्डो आएगी, जिसमें सेटिंग्स के संबंध में पूछा जायेगा।

1.6.6 Add पर क्लिक करने पर जो विण्डो खुलेगी इसमें आपको इसमें ऐसी सेटिंग करनी होगी।

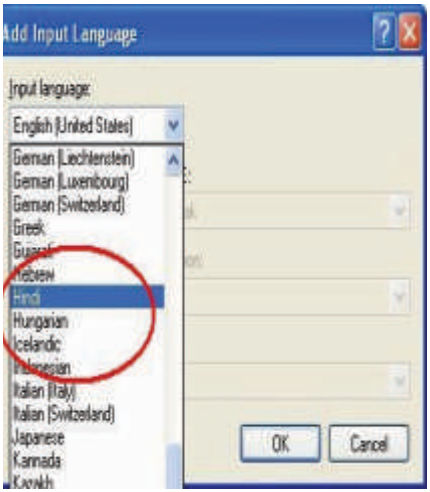

इस सेटिंग के पश्चात आपके समक्ष यह विण्डो आएगी।

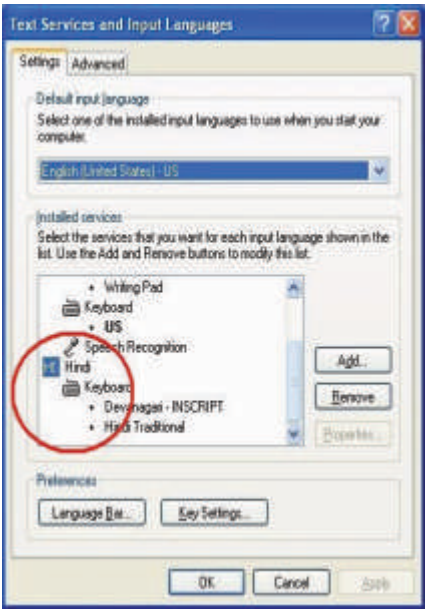

इस प्रक्रिया के पश्चात आपका कम्प्यूटर यूनिकोड आधारित टेक्नोलॉजी में कार्य करने के लिए तैयार हो गया है तथा डिफाल्ट रूप में आपका कम्प्यूटर इन्स्क्रीप्ट की-बोर्ड ले-आउट में कार्य करने के लिए भी तैयार है। यदि आप इनस्क्रिप्ट की-बोर्ड के अलावा किसी अन्य की-बोर्ड लेआउट में टाइप करना चाहते हैं, तो इसके विकल्पभी उपलब्ध हैं |

1.7 हिन्दी टायपिंग की-बोर्ड का चयन

हिन्दी में यदि आपको टायपिंग का कार्य सम्पादित करना है, तो आपको की-बोर्ड प्रकारों का भी ज्ञान होना आवश्यक हो जाता है।सामान्यतः कोई भी टाइपिस्ट किसी एक ही प्रकार के की-बोर्ड लेआउट में ही कार्य कर सकता है | हिन्दी टायपिंग कार्य को निम्नलिखित की-बोर्ड ले-आऊट में संपादित किया जा सकता है:-

1. रैमिंगटन टाईप की-बोर्ड ले-आऊट
2. गोदरेज टाईप की-बोर्ड ले-आऊट
3. देवनागिरी इन्स्क्रीप्ट टाईप की-बोर्ड ले-आऊट
4. फोनेटिक टाईप की-बोर्ड ले-आऊट

इस प्रकार आप अपनी इच्छा से की-बोर्ड लेआउट का चयन कर सकते हैं |

अध्याय - 2

यूनिकोड टेक्नोलॉजी का प्रयोग

2.1 भारत सरकार द्वारा निर्मित GIST-OT-TYPING टेक्नोलॉजी

GIST-OT-Typing टूल एक ऐसा सॉफ्टवेर डेवलपमेंट टूल है जो माइक्रोसॉफ्ट विंडो में भारतीय भाषाओं को सहायता प्रदान करने हेतु भारत सरकार की एजेन्सी सी-डैक द्वारा बनाया गया है | अन्य सुविधाओं के अलावा इसकी प्रमुख विशेषता यह है कि ये UNICODE data को MS_windows की सहायता से सीधा प्रोसेस करता है। Unicode निम्न कार्य आसानी से कर सकता है -

1) फॉण्ट को हिंदी वर्णमाला के अनुसार व्यवस्थित जमाना |
2) परिवर्तन करना |
3) डाटा को परस्पर बदलना |
4) तीन प्रकार के कीबोर्ड लेआउट प्रदान करना - INSCRIPT, Phonetic और Typewriter |
5) डाटा को पुन: उपयोग करने हेतु योग्य बनाना |

2.1.1 GIST-OT-TYPING टेक्नोलॉजी डाउनलोड करने की विधि

चरण 1:- सर्वप्रथम वेबसाइट "tdil.mit.gov.in" को open करें ।

चरण 2:- तत्पश्चात "hindi" भाषा का चुनाव करें ।

चरण 3:- तत्पश्चात चित्रानुसार “download link” पर क्लिक करें ।

चरण 4:- उसके बाद दर्शायी गयी सूची में से “**यूनिकोड समर्थित की-बोर्ड ड्राइवर्स”** का चयन कर दिये गये “download चिन्ह” पर क्लिक करेंगे ।

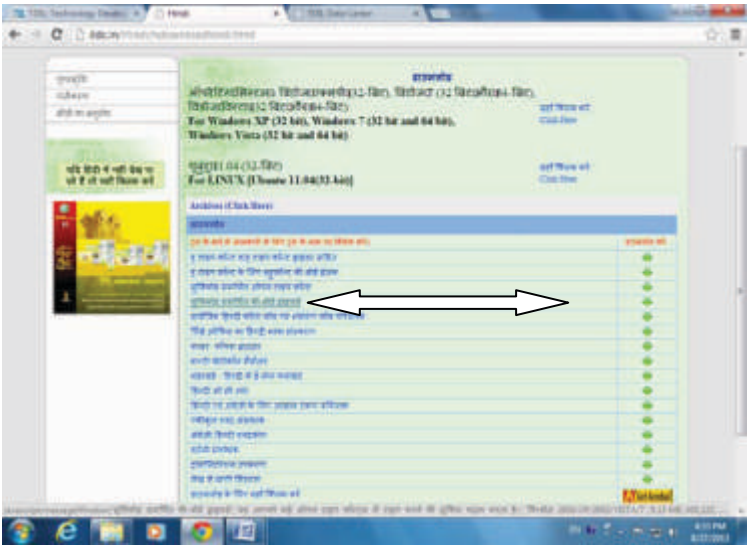

चरण 5:-"download" चिन्ह पर क्लिक करते ही एक विन्डो ओपन होगी, जहाँ आपको "install" ऑप्शन पर क्लिक करना है जो कि नीचे "taskbar" मे शुरु हो जाएगा।

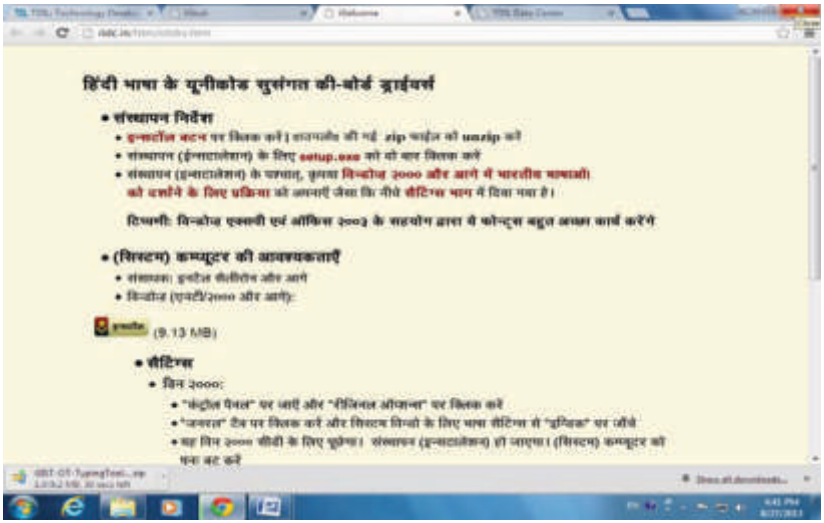

चरण 6:- अब डाउनलोड हो चुकी फाइल पर राइट क्लिक करके "show in folder" पर क्लिक करेंगे ।

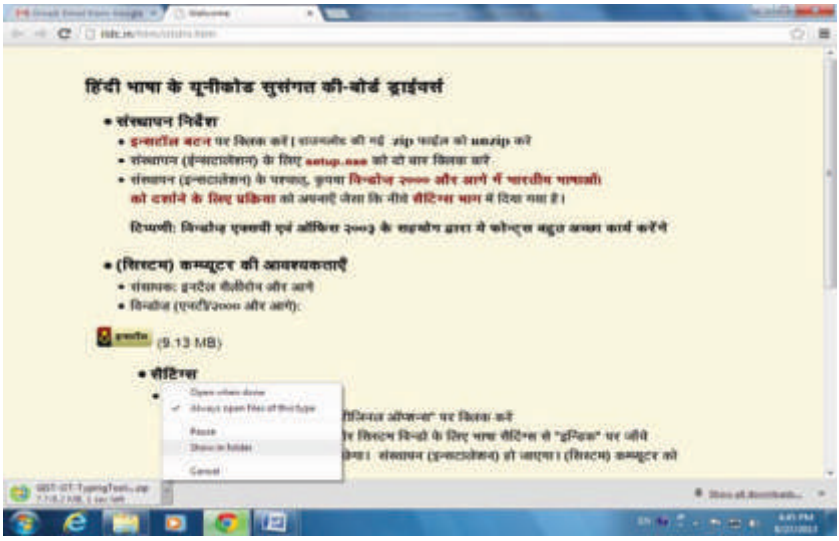

चरण 7:- अब "GIST-OT-TypingTool" पर राइट क्लिक करके " Winzip - Extract to Here " पर क्लिक करें ।

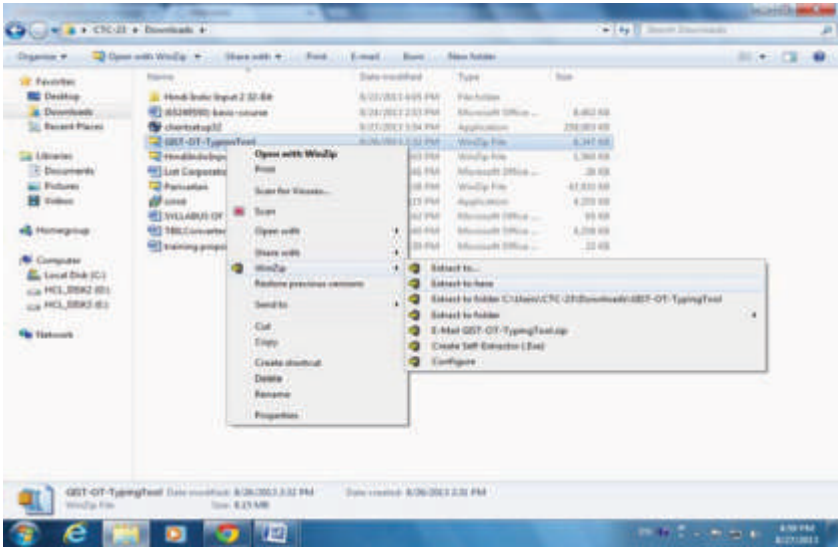

चरण 8:- अब "Winzip - I Agree" पर क्लिक करें ।

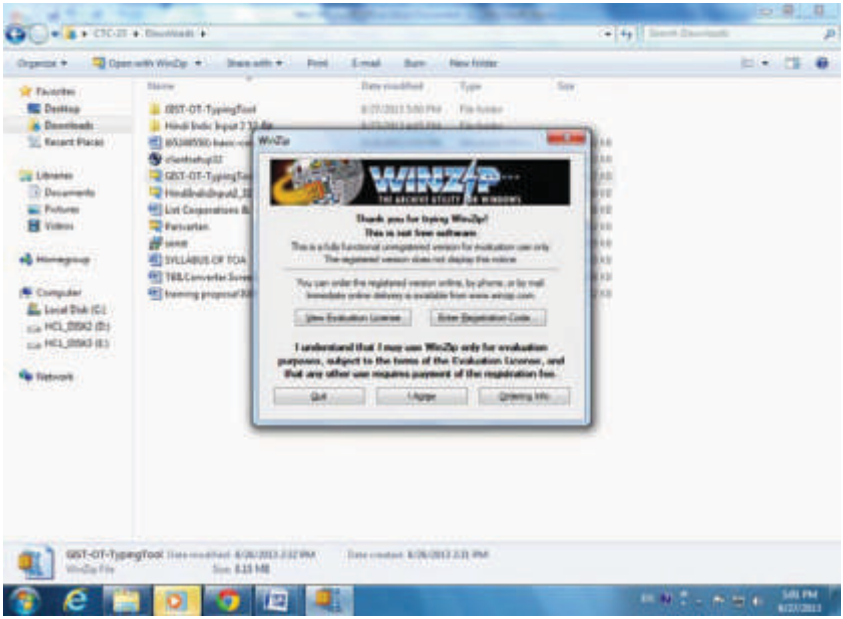

चरण 9:- ”GIST-OT-TypingTool” folder को ओपन कर setup पर क्लिक करें ।

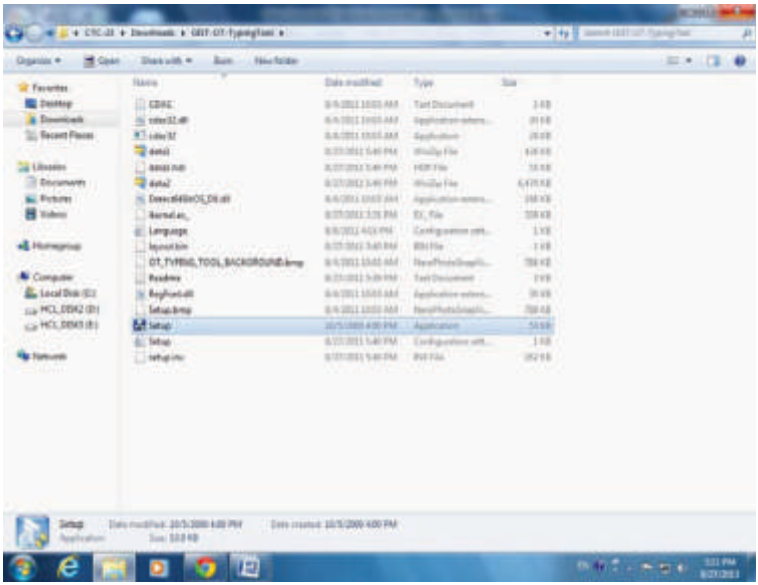

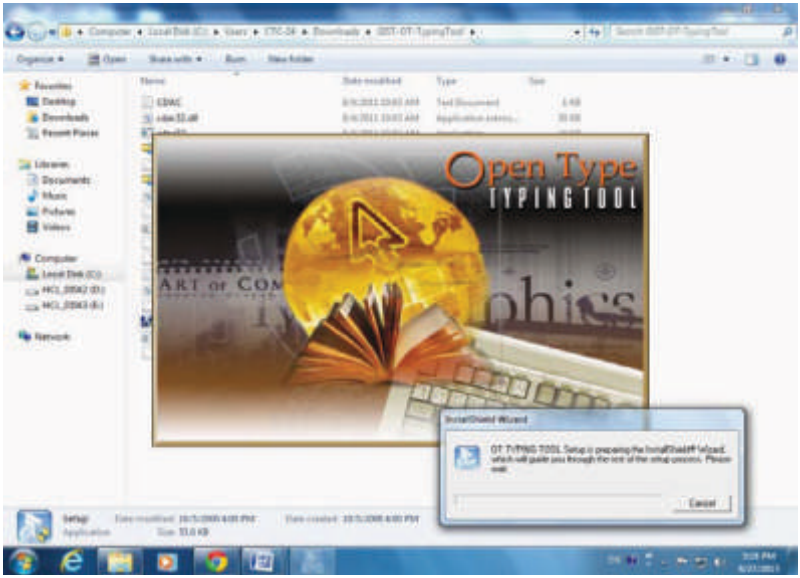

चरण 10 :-अब पूरी इन्स्टॉलेशन प्रक्रिया मे “YES” एवं “NEXT” पर ही क्लिक करना है ।

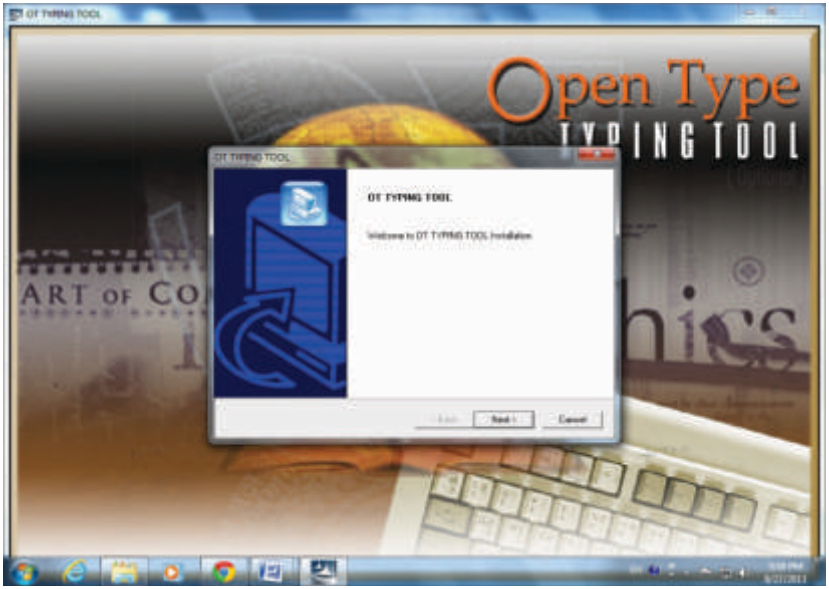

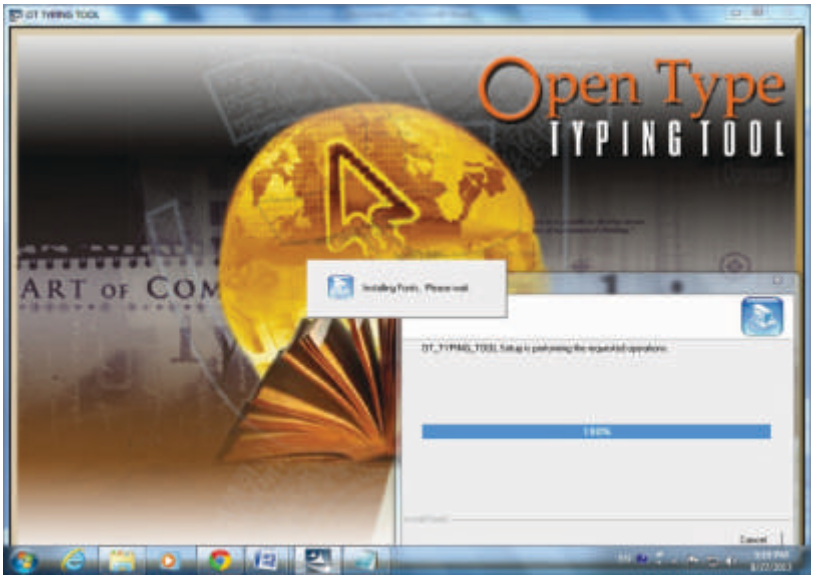

चरण 11 :- हिन्दी टायपिंग टूल्स को इंस्टॉल करने के पश्चात और यूनिकोड आधारित हिन्दी टायपिंग करने के पूर्व आपके कम्प्यूटर में स्थापित टूल को पहले खोलकर इसकी सेटिंग कर इसकी मदद से यूनिकोड फॉण्ट में टायपिंग का कार्य संपदित किया जा सकता है |

चरण 12 :- जब इस टूल को ओपन करेंगे तो यह आपको सेंटिंग के लिए पूछेगा और आपके द्वारा की गई सेटिंग के आधार पर कार्य करेगा |

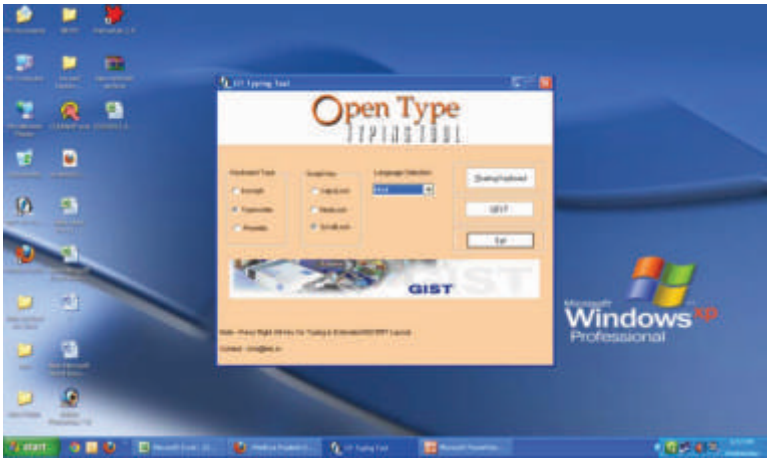

चरण 13 :- आप अपनी सुविधानुसार की-बोर्ड का लेआउट “Script Key” के माध्यम से सेट कर सकते है | यूनिकोड टायपिंग में फॉण्ट चयन की आवश्यकता नहीं होती है |

टाइपराइटर कीबोर्ड में By-Default रेमिंग्टन कीबोर्ड का लेआउट सेट होता है ।

2.2 MICROSOFT कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित Indic Input 2 टेक्नोलॉजी

Microsoft Indic Language Input Tool, Microsoft windows के किसी भी दस्तावेज जैसे word, excel, notepad इत्यादि मे आसानी से किसी भी भारतीय भाषा का उपयोग करने मे सहयता प्रदान करता है । इसके अतिरिक्त यह visual keyboard की सुविधा भी देता है, जिसकी मदद से उपयोगकर्ता अपने दस्तावेज मे आवश्यक सुधार कर सकता है । साथ ही एक भाषा से दूसरी भाषा मे स्थानांतरित भी किया जा सकता है। यह 9 प्रकार के कीबोर्ड layout की सुविधा प्रदान करता है, ताकि उपयोगकर्ता अपनी आवश्यकता के अनुसार कीबोर्ड का चयन कर सके । यह टूल माईक्रोसॉफ्ट द्वारा तैयार किया गया है।

2.2.1 Indic Input 2 टेक्नोलॉजी डाउनलोड करने की विधि

चरण 1 :- **"Bhashaindia.com"** पर क्लिक करें ।

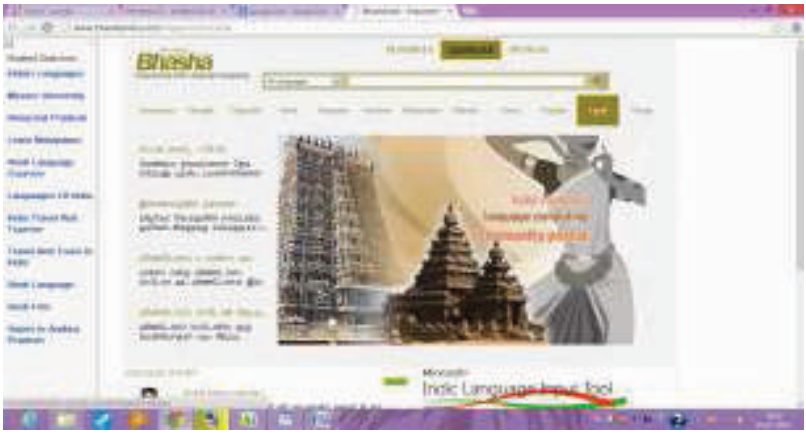

चरण 2 :- डाउनलोड पर क्लिक करें ।

चरण 3 :- सेट अप फाईल लोड होने पर राइट क्लिक करें।

चरण 4 :- “**Show in Folder**” पर क्लिक करें।

चरण 5 :- Folder open करके “**setup**” चलाऐं।

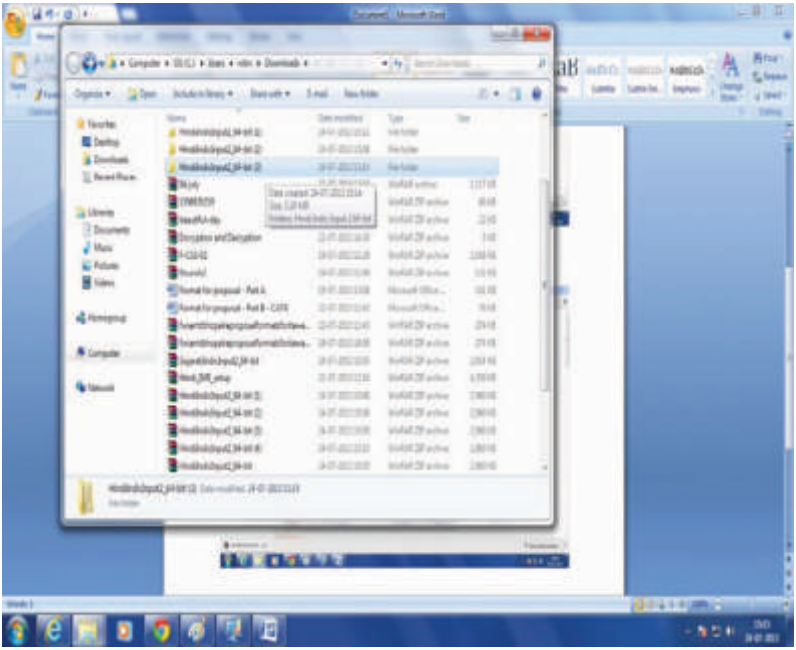

चरण 6 :- **"Setup Wizard"** विन्डो खुलते ही **"Next"** पर क्लिक करें।

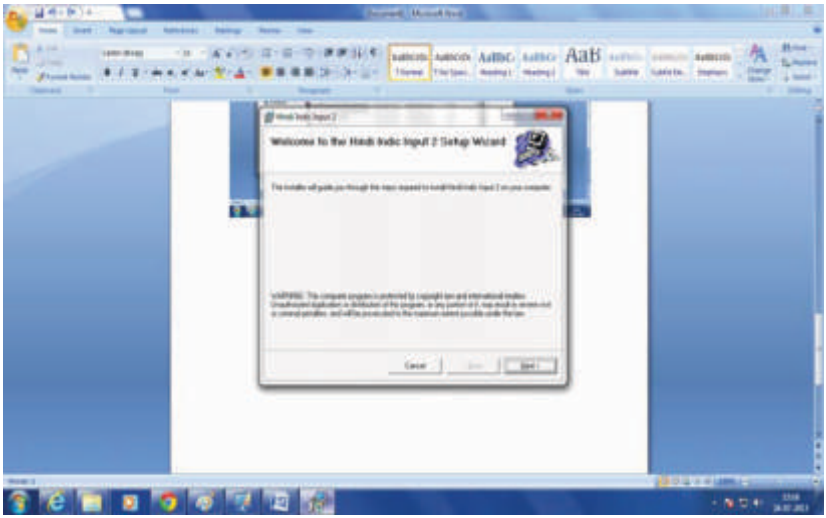

अब "Everyone" पर क्लिक करें।"Next" पर क्लिक करें।

चरण 7 :- "Confirm Installation" विन्डो खुलते ही **"Next"** पर क्लिक करें।

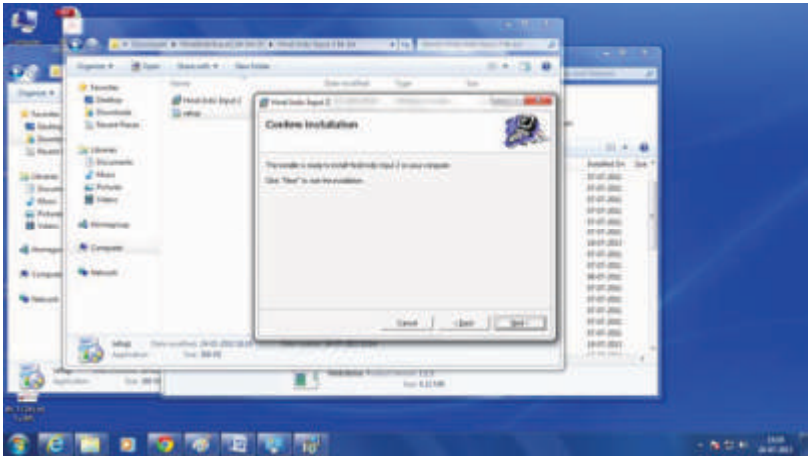

चरण 8 :- Installation Complete होते ही "**close**" पर क्लिक करें।

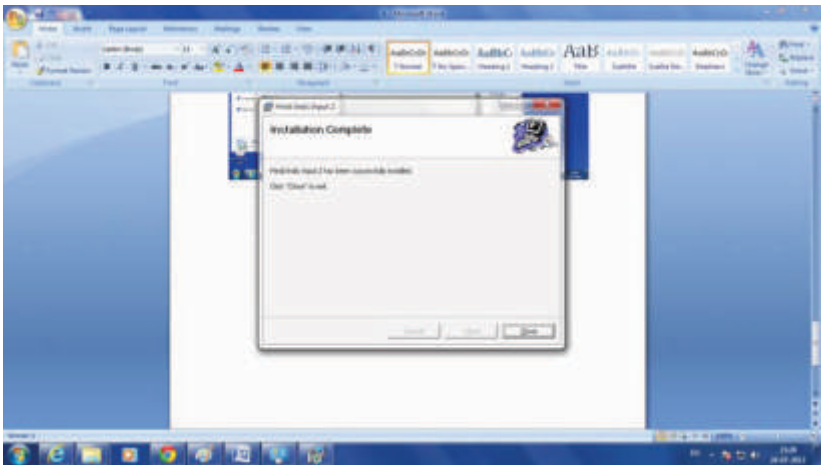

चरण 9 :- "**Start**" पर जाकर "**Programs**" पर क्लिक करें।

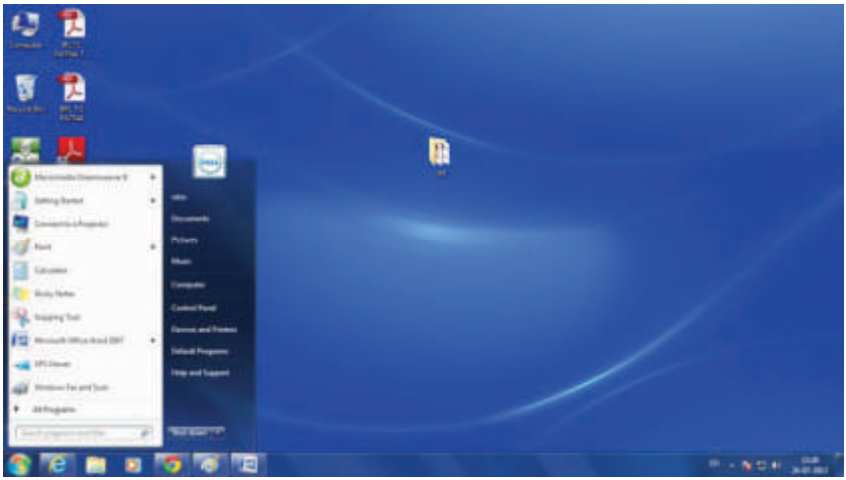

चरण 10 :- “**Indic Input 2”** नाम का फोल्डर खोलें।

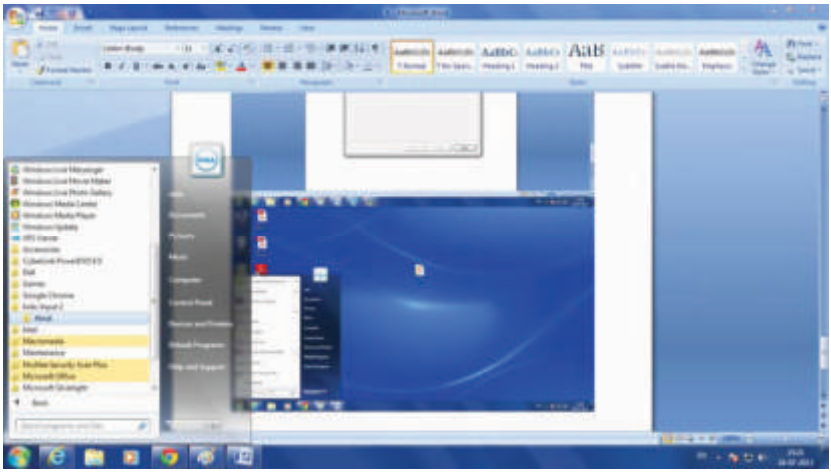

चरण 11- नीचे Taskbar पर इस तरह की “Tool Kit” दिखाई देगी।

चरण 12- अब आप “**Unicode Indic Input 2”** का उपयोग कर सकतें हैं।

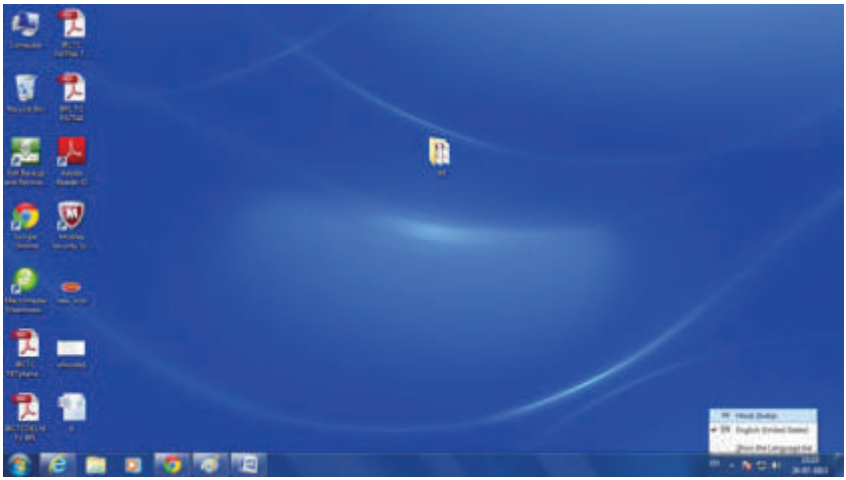

2.2.2 Indic Input 3

यह Microsoft द्वारा निर्मित Indic Language Input Tool का नवीनतम version है | इसकी कार्य प्रणाली पूर्णत: Indic Input 2 की तरह ही है,जैसा कि हम पहले देख चुके है| Indic Input 3 विंडो 8 पर कार्य करता है | इस टूल की system Requirement निम्नानुसार है :-

- यूजर जो ऑपरेटिंग सिस्टम विंडो 8 का उपयोग करते है, Indic Input 3 के साथ कार्य कर सकते है|
- Indic Input 3 के लिए न्यूनतम सिस्टम कॉन्फ़िगरेशन - Windows Vista, Windows 7(64 Bit) and Windows 8 of (32/64 Bit).

NOTE: - Indic Input 3 एवं Indic Input 2 में सबसे बड़ा अंतर यह है कि Indic Input 3 Keyboard के सिर्फ 2 ही लेआउट को सपोर्ट करता है **-Hindi Transliteration और Hindi Remington**

2.3 Google कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित Google Input टेक्नोलॉजी

Google Input Tools for Windows एक ऐसा इन्पुट एडीटर है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता Latin (English / Qwerty) कीबोर्ड का उपयोग करके किसी भी भाषा में text enter कर सकता है। वर्तमान में **Google Input Tools,** 22 भाषाओं के लिए उपयुक्त है, जैसे- Amharic, Arabic, Bengali, Persian, Greek, Gujarati, Hebrew, Hindi, Kannada, Malayalam, Marathi, Nepali, Oriya, Punjabi, Russian, Sanskrit, Serbian, Sinhala, Tamil, Telugu, Tigrinya तथा Urdu.

2.3.1 Google Input टेक्नोलॉजी डाउनलोड करने की विधि

चरण 1 :- **"Google Unicode tool"** साइट को खोलें।

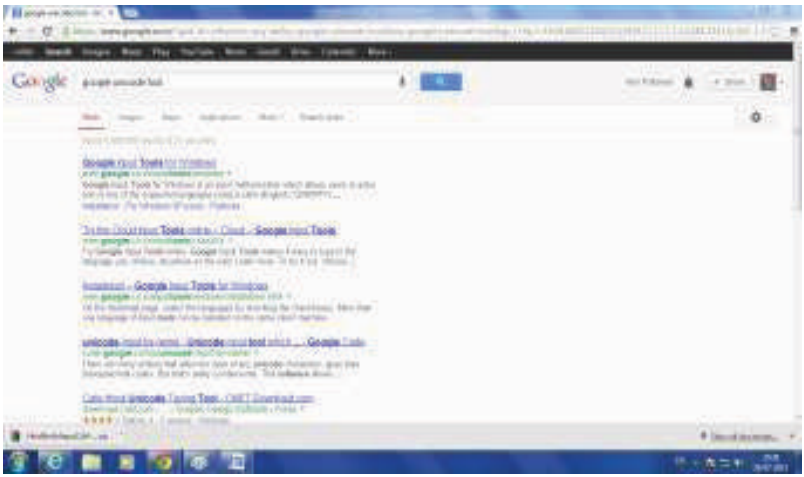

चरण 2 :- हिंदी पर क्लिक करके डाउनलोड पर क्लिक करें।

चरण 3 :- सेट अप फाईल लोड होने पर राइट क्लिक करें।

चरण 4 :- **"Show in Folder"** पर क्लिक करें।

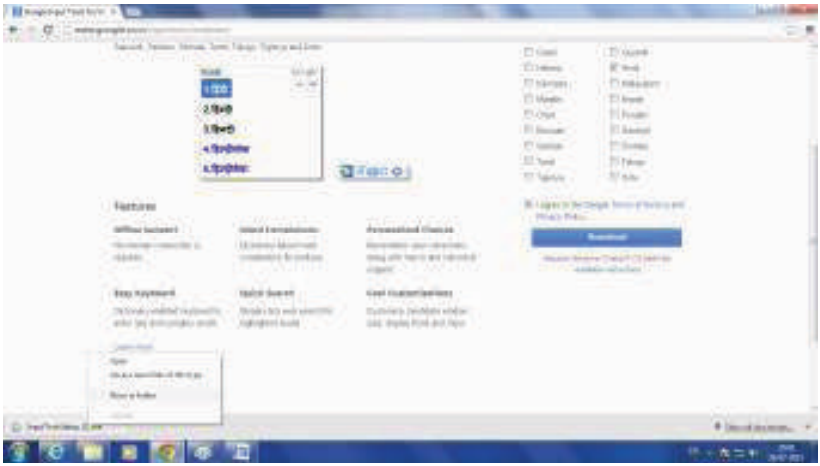

चरण 5 :- फोल्डर ओपन कर के **"setup"** चलाऐं।

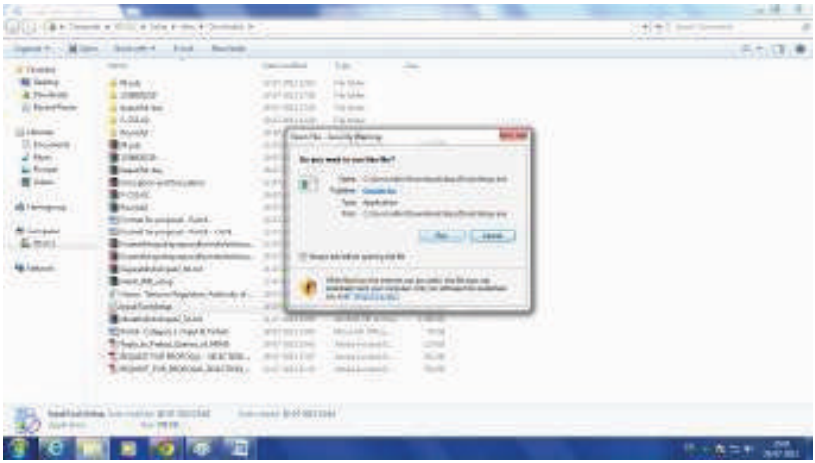

चरण 6 :- इन्स्टॉलेशन पूरा होते ही "**close**" पर क्लिक करें।

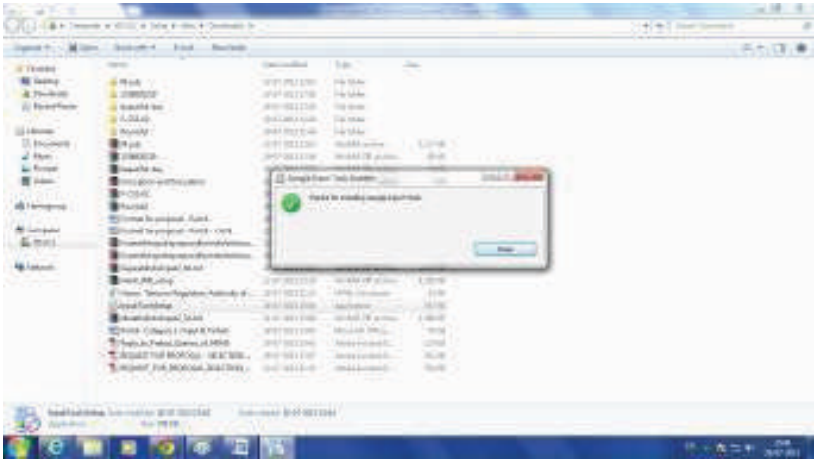

चरण 7 :- नीचे Taskbar पर इस तरह की "Tool Kit" दिखाई देगी।

चरण 8 :- अब आप "**Google Input Tool**" का उपयोग कर सकते हैं।

अध्याय - 3

3.1 विभिन्न टूल्स में टेक्नोलॉजी का तुलनात्मक विश्लेषण

क्र.	यूनिकोड टेक्नोलोजी ↓	ओपरेटिंग सिस्टम (बिट एवं सर्विस पैक)							
		WINDOWS XP		Vista /WINDOWS 7		WINDOWS 8		WINDOWS SERVER 2003	
		32 bit	64 bit	32 bit	64 bit	32 bit	64 bit	32 bit	64 bit
1	GIST –OT Typing Tool (भारत सरकार द्वारा समर्थित टूल)	✓	✓	✓	✓	×	×	✓	✓
2	INDIC INPUT-III (माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन द्वारा समर्थित टूल)	×	×	×	✓	✓	✓	×	×
3	INDIC INPUT-II (माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन द्वारा समर्थित टूल)	×	✓	✓	✓	✓	✓	×	✓
4	INDIC INPUT-I (माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन द्वारा समर्थित टूल)	✓	×	×	×	×	×	✓	×
5	GOOGLE INPUT (गूगल कॉर्पोरेशन द्वारा समर्थित टूल)	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓	✓

3.2 विभिन्न टूल्स हेतु सपोर्टिंग सिस्टम (कन्वरटर) का तुलनात्मक विश्लेषण

क्र.	यूनिकोड कन्वरटर	ओपरेटिंग सिस्टम (बिट एवं सर्विस पैक)					
		WINDOWS XP		Vista /WINDOWS 7		WINDOWS8	
		32bit	64 bit	32bit	64 bit	32bit	64 bit
1	TDIL Converter (भारत सरकार द्वारा समर्थित टूल)	✓	✓	✓	✓	×	×
2	TBIL Converter (माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन द्वारा समर्थित टूल)	✓	✓	✓	✓	✓	✓

अध्याय - 4

Converter द्वारा एक फाइल को यूनिकोड फॉण्ट की फाइल में बदलना |

4.1 भारत सरकार द्वारा निर्मित TDIL CONVERTER 2.0

यह टूल एक ट्रू फॉन्ट (जैसे कृतिदेव, देवलिसिस आदि)में लिखे गए डाटा को दूसरे फॉन्ट (यूनिकोड) में बदलता है। यह कई तरह की फाइलों पर इस्तेमाल किया जा सकता है (जैसे: माइक्रोसॉफ़्ट वर्ड, माइक्रोसॉफ़्ट एक्सेल, टेक्स्ट फाइल इत्यादि)।

4.1.1 TDIL CONVERTER 2.0 डाउनलोड करने की विधि

चरण 1 :- सर्वप्रथम वेबसाइट "tdil.mit.gov.in" को ओपन करें ।

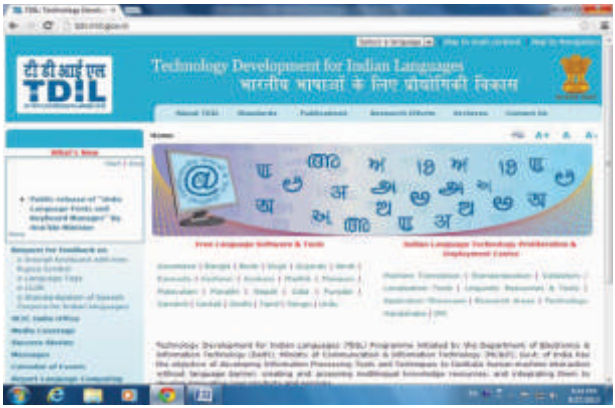

चरण 2 :- तत्पश्चात hindi भाषा का चुनाव करें ।

चरण 3 :- तत्पश्चात चित्रानुसार “download link” पर क्लिक करें।

चरण 4 :- उसके बाद दर्शायी गयी सूची में **“सार्वत्रिक हिंदी फॉन्ट कोड एवं भंडारण कोड परिवर्तक”** का चयन कर दिये गये “download चिन्ह” पर क्लिक करेंगे ।

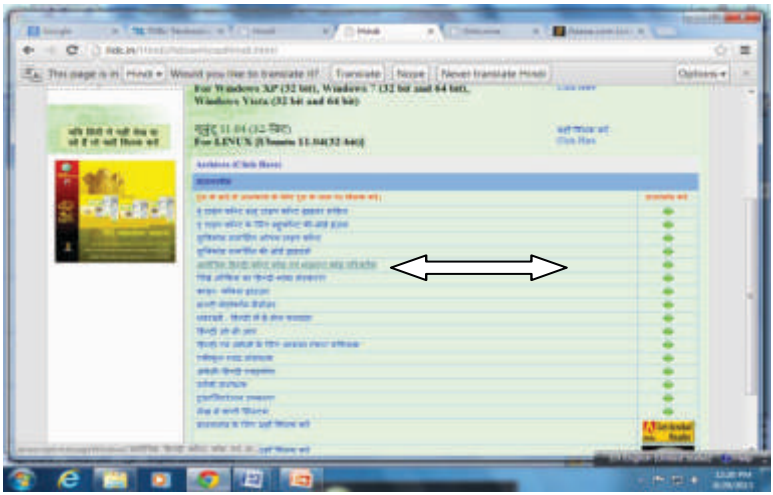

चरण 5 :- “download” चिन्ह पर क्लिक करते ही एक विन्डो ओपन होगी,जहाँ आपको ”install” पर क्लिक करना है जो कि नीचे ”taskbar” मे शुरु हो जाएगा।

चरण 6 :- अब डाउनलोड हो चुकी फाइल पर राइट क्लिक करके ”show in folder” पर क्लिक करेंगे ।

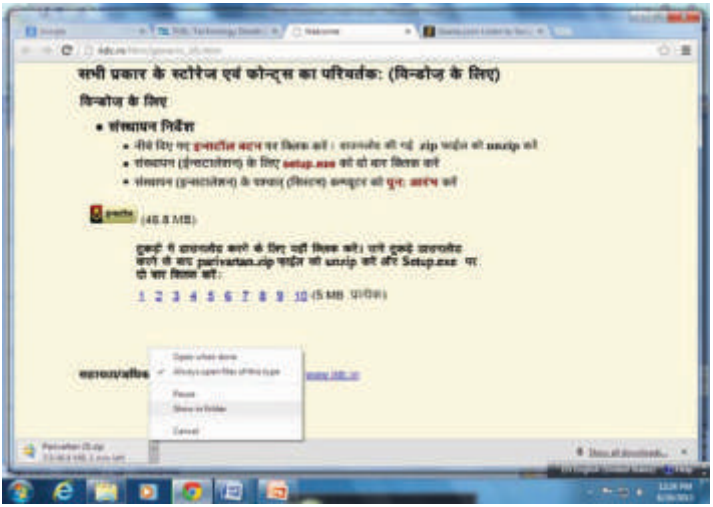

चरण 7 :- “Parivartan” पर राइट क्लिक करके ”Winzip- Extract to Here” पर क्लिक करें ।

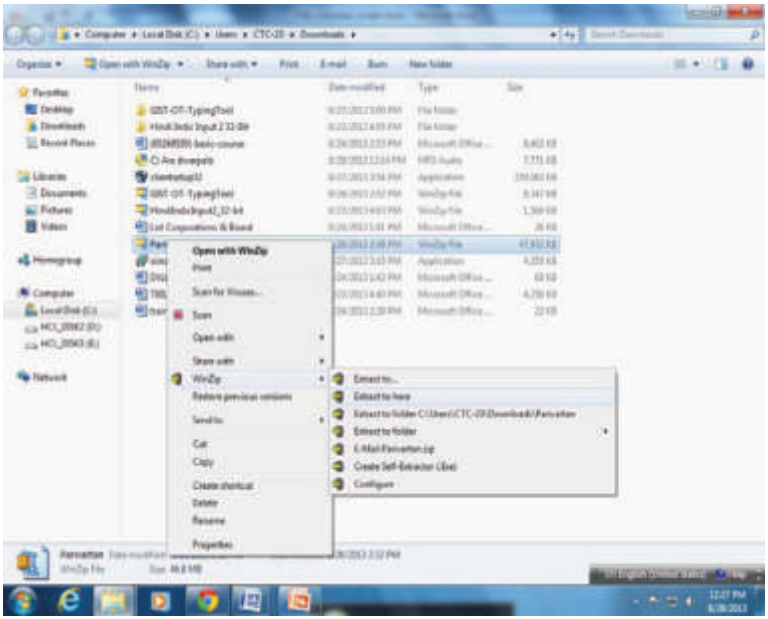

चरण 8 :- “WinZip - I Agree” पर क्लिक करें ।

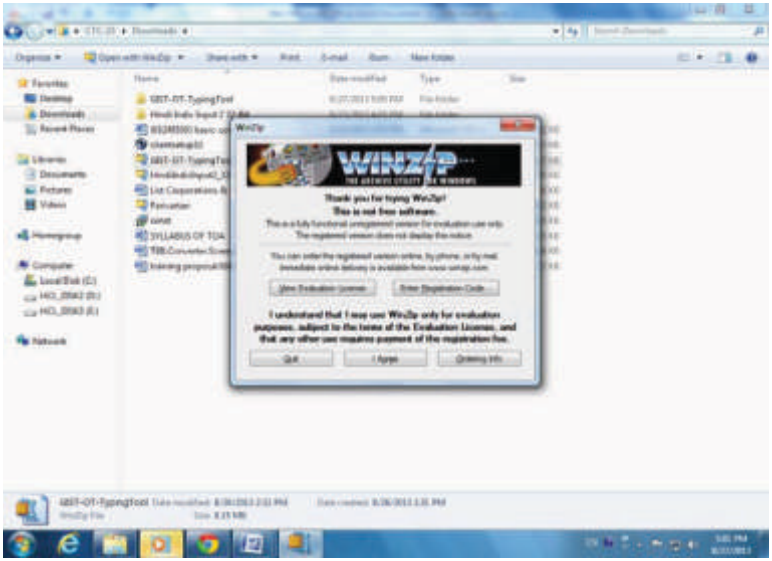

चरण 9 :- “Parivartan” फोल्डर को ओपन कर “setup” पर क्लिक करें ।

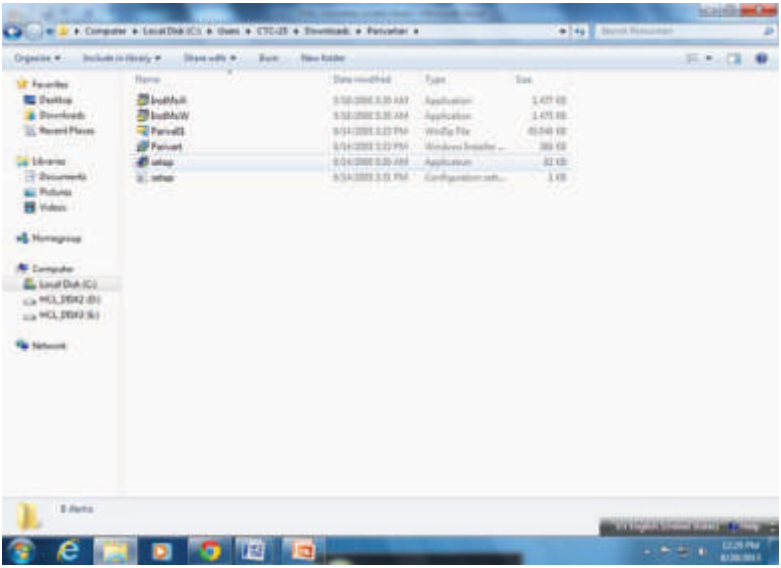

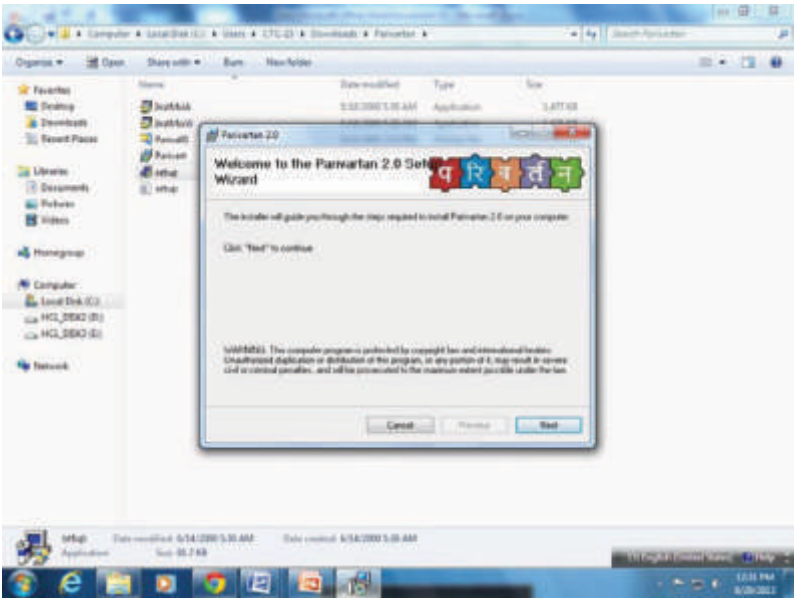

चरण 10 :- अब पूरी इन्स्टॉलेशन प्रक्रिया मे “YES” एवं “NEXT” पर ही क्लिक करना है ।

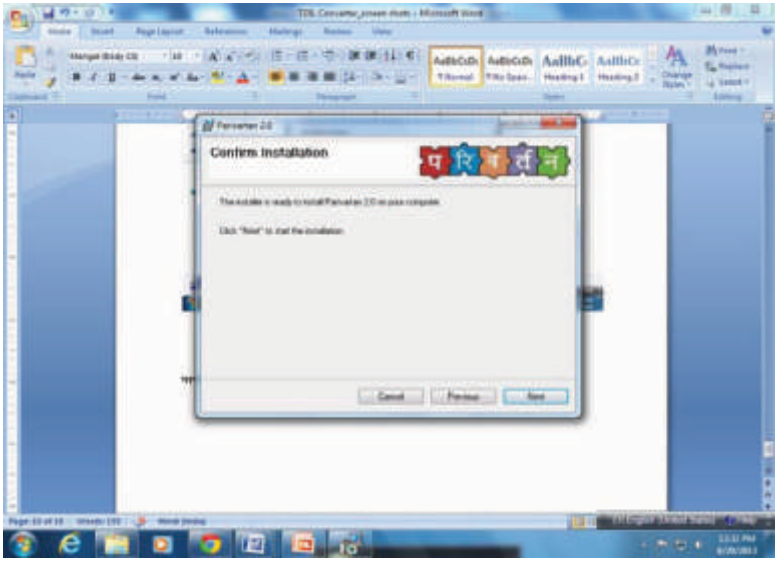

चरण 11 :- अब “confirm installation” पर क्लिक करते ही इन्स्टॉलेशन प्रक्रिया शुरू हो जायेगी।

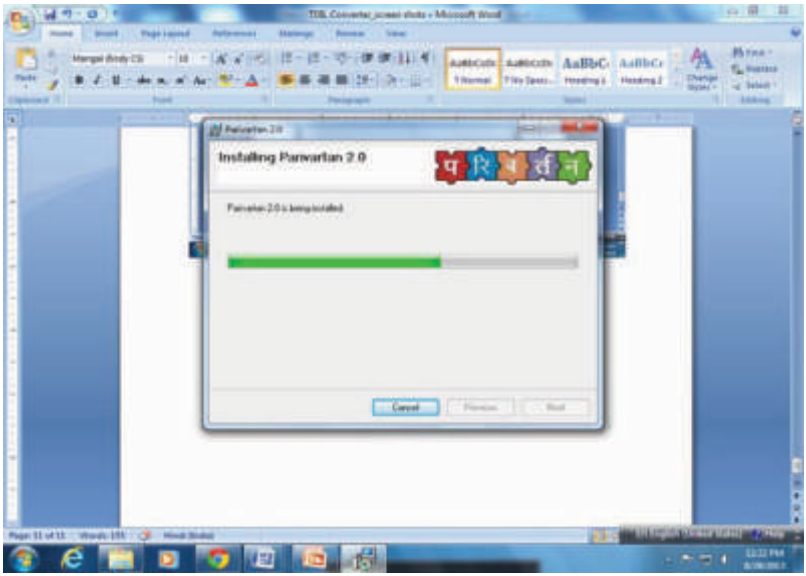

चरण 12 :- अब close पर क्लिक करेंगे ।

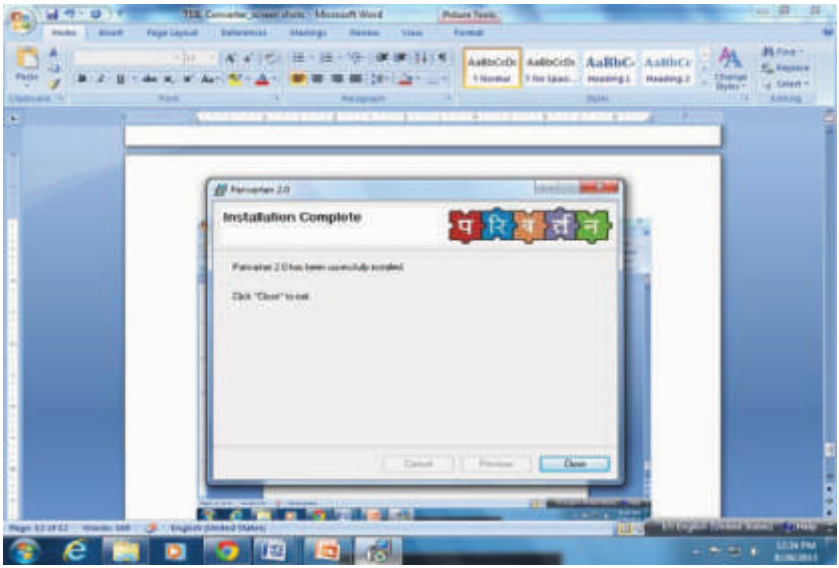

चरण 13 :- अब “start” बटन पर क्लिक करते ही डाउनलोड हुए कन्वर्टर को देख सकते है।

चरण 14 :-फॉण्ट को कन्वर्ट करने के लिए परिवर्तन नामक सॉफ्टवेयर को कम्प्यूटर में इन्स्टॉल करने के पश्चात इसे जब फॉण्ट बदलने के लिए खोलते है तो निम्नानुसार इसकी कार्य प्रक्रिया होती है-

चरण 15 :- जब आप "आगे" पर क्लिक करके आगे बढेंगे तो ऐसी स्थिति में आपको निम्नानुसार ऑप्शन्स प्राप्त होगें ।

चरण 16 :- जब आप "ब्राउस" बटन पर क्लिक करते हैं ऐसी स्थिति में निम्नानुसार विंडो आपके सामने खुलती है जिसमें सर्वप्रथम फाईल फोर्मेट सेलेक्ट करना होता है तथा इसके पश्चात उस फाइल की लोकेशन एवं फाईल का नाम देना होता है, जिसे आप अन्य किसी फॉण्ट में बदलना चाहते हैं ।

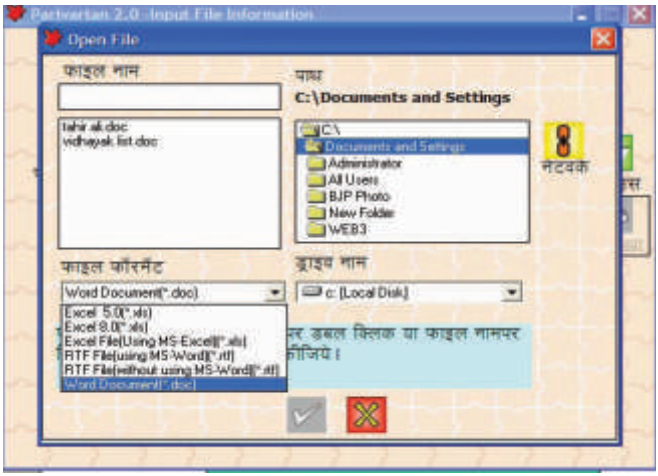

चरण 17 :- राइट पर क्लिक करने के पश्चात इस प्रकार की विंडो पर पहुंच जाएंगे जिसमें आपको फाइल में उपयोग हो रहे फॉण्ट का चयन करना होता है और इसके पश्चात आप चित्रानुसार दिए गए बटन "आगे" पर क्लिक करेंगे ।

चरण 18 :- आप आगे क्लिक करेंगे तो इस प्रकार की विंडो आपके सामने आएगी जिसमें आपको फाइल का नाम एवं लोकेशन देना होता है तथा साथ में यह भी बताना होता है कि अब यह फाइल किस फॉण्ट में आपको चाहिए आप जिस भी फॉण्ट में चाहते है इसे बदल सकते है।

चरण 19 :- आपके द्वारा दी गई इनपुट फाइल की जानकारी के अंतर्गत निम्न जानकारीयाँ आती है-

फाइल में उपयोग किया गया फॉण्ट ,फाइल का फॉरर्मेट, फाइल को परिवर्तन करने के पश्चात फाइल किस नाम से SAVE की जा रही है, किस फॉण्ट एवं किस लोकेशन पर SAVE की जा रही है आदि | इसके पश्चात यदि आप प्रारंभ पर क्लिक करते हैं, तो ऐसी स्थिति में यह फॉण्ट परिवर्तित होने की प्रक्रिया प्रारंभ कर देता है ।

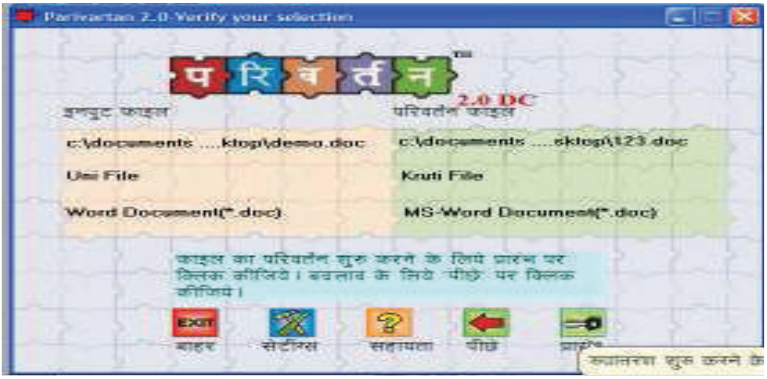

चरण 20 :- जब किसी भी फाइल के फॉण्ट परिवर्तित हो रहे हो तो ऐसी स्थिति में आप इस फाइल पर क्लिक न करें| फॉण्ट परिवर्तित होने का संदेश मिलने पर नई फाइल को खोलकर देख सकते है कि आपके द्वारा चाहे गये फॉण्ट में सामग्री उपलब्ध हो गई या नहीं ।

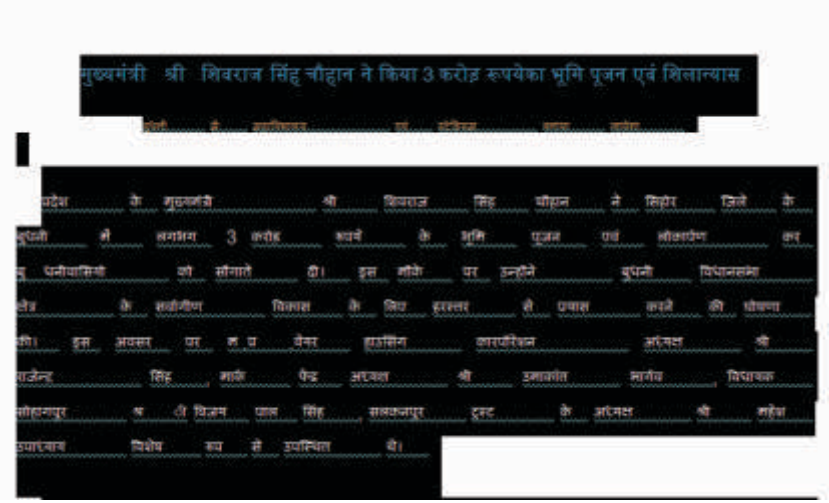

4.2 MICROSOFT द्वारा निर्मित TBIL CONVERTER 3.0

TBIL (Transliteration Between Indian Languages) Data Converter 3.0 एक डेस्कटॉप एप्लीकेशन है, जो यूजर को विभिन्न प्रकार के फोर्मेट्स जैसै ASCII/ ISCII/ UTF/ Unicode/ Phonetic की फाइलों एवं दस्तावेजों को कन्वर्ट करने योग्य बनाता है । यह मूलतः भारतीय भाषाओं को ही परिवर्तित करने हेतु विकसित किया गया है ।

4.2.1 TBIL CONVERTER 3.0 डाउनलोड करने की विधि

चरण 1 :- सर्वप्रथम "TBIL Converter" को निम्नानुसार डबल क्लिक करके "run" करें ।

चरण 2 :- तत्पश्चात दिये गये options जैसे- MS Word ,Text files, Excel sheet, Access, SQL database इत्यादि से हम इच्छानुसार किसी भी फॉर्मेट का चयन कर सकते है । उदाहरण के लिये- हमने MS Word का चयन किया ।

चरण 3 :- अब हम भाषा एवं फॉण्ट पर कार्य करेंगे । जिसके लिये हम source language और font का चयन करेंगे । उदाहरणार्थ :- source language= ”Hindi” एवं source font= “kritidev010”

चरण 4 :- तत्पश्चात Target language और font का चयन करेंगे। उदाहरणतः Target language = "Hindi" एवं Target font = "UNICODE-Mangal".एवं गये चित्रानुसार "convert number" पर निम्नानुसार क्लिक कर "next" बटन पर क्लिक करेंगे ।

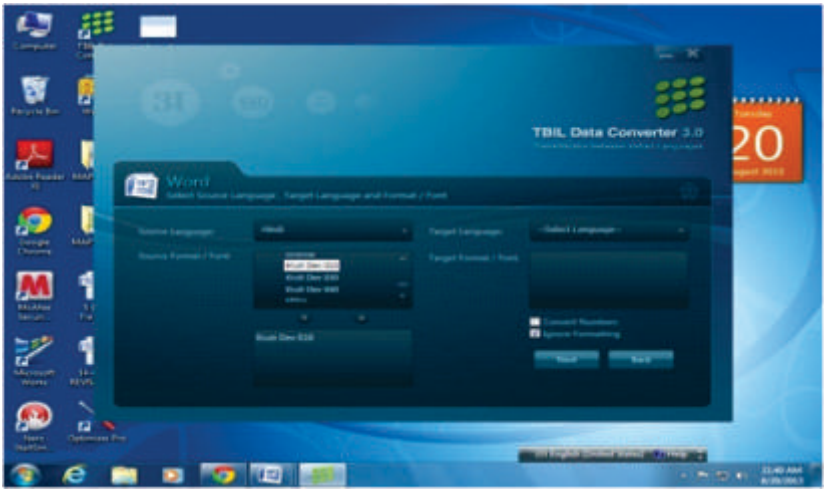

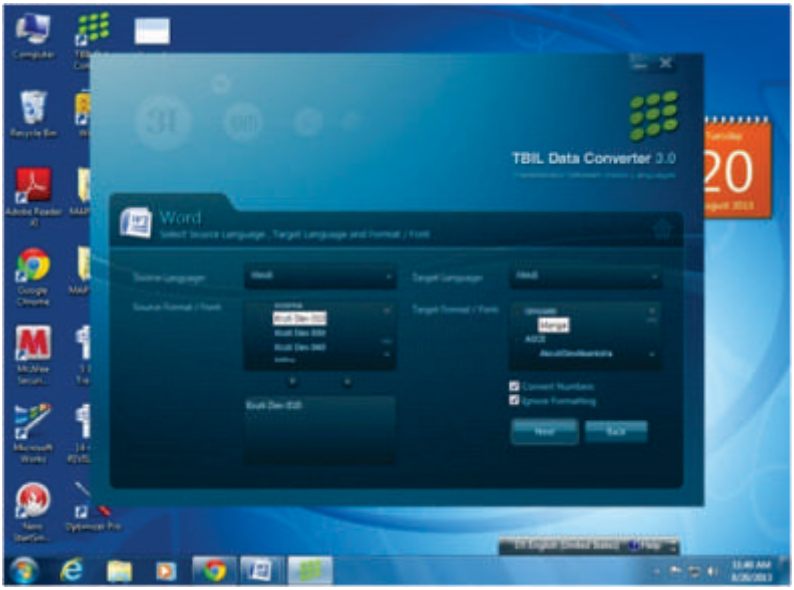

चरण 5 इस चरण मे हम - “ADD FILE “ पर क्लिक कर इच्छानुसार फाइल का चयन करेंगे।

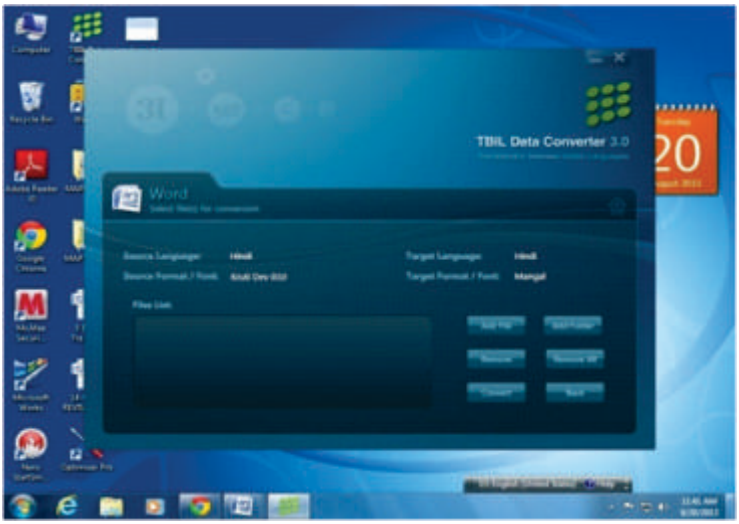

चरण 6 इस चरण में हम इच्छानुसार अपनी फाइल का एक सुरक्षित स्थान से चयन करेंगे एवं OPEN बटन पर क्लिक कर उसे खोलेंगे |

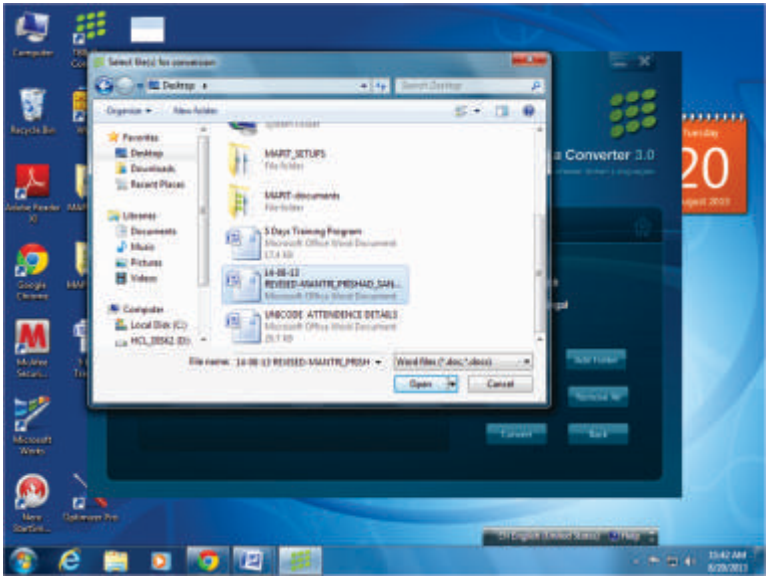

चरण 7 :- तत्पश्चात दिये गये चित्रानुसार TBIL परिवर्तक द्वारा परिवर्तित करेंगे जिसके लिये हम “convert option” पर निम्नानुसार क्लिक करेंगे ।

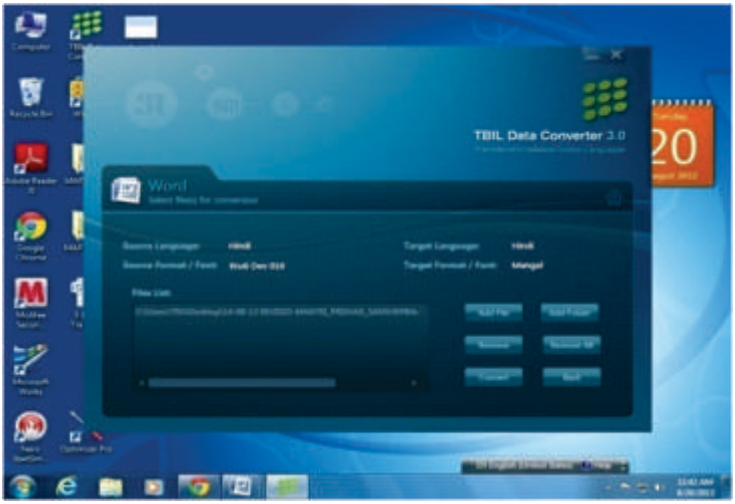

चरण 8 :- यहाँ आप अपनी चयनित फाइल को परिवर्तित होते हुये देख सकते है, जैसा कि चित्र मे दर्शाया गया है ।

चरण 9 :- अब हम यह देख सकते है कि converter का कार्य समाप्त हो चुका है । एवं फाइल पूरी तरह से UNICODE-mangal मे परिवर्तित हो चुकी है ।

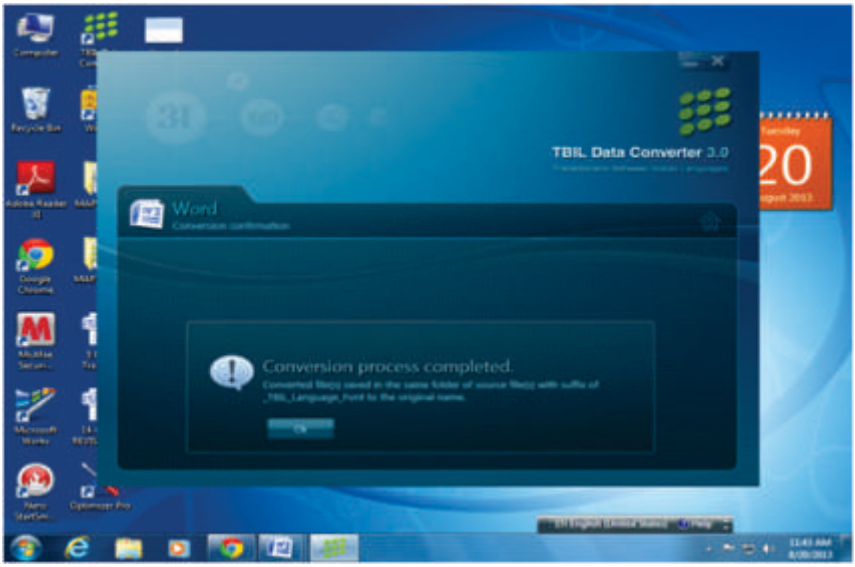

4.3 भारत सरकार एवं माइक्रोसॉफ्ट द्वारा निर्मित दोनों यूनिकोड परिवर्तकों में अतंर

क्रमांक	विशेषता	TDIL Converter (भारत सरकार द्वारा समर्थित)	TBIL Converter (मइक्रोसॉफ्ट संस्था द्वारा समर्थित)
1	भारतीय भाषायें	14 भाषायें	12 भाषायें
2	कस्टमाईज़	हाँ	हाँ
3	अंको का परिवर्तन	हाँ	हाँ
4	यूजर फ्रेंडली	बहुत अच्छा	उत्कृष्ट
5	उपयोग का तरीका	सरल	सरल किन्तु चयनानुसार
6	फॉण्ट बदलना	हाँ	हाँ
7	अन्य हार्डवेयर उपकरण	नहीं	नहीं

अध्याय - 5

यूनिकोड और इन्टरनेट

यूनिकोड का उपयोग इन्टरनेट की विभिन्न एप्लिकेशन्स पर किया जा सकता है।जैसे- यदि Google पर हिंदी फॉन्ट में कोइ टॉपिक लिखा जाए तो उसका विवरण भी हिंदी फॉण्ट में उपलब्ध होगा । ऐसा सिर्फ हिंदी में ही नहीं, अन्य भाषाओं में भी किया जा सकता है।

5.1 Google पर यूनिकोड का प्रयोग

5.2 ई मेल पर यूनिकोड प्रयोग-

यूनिकोड के प्रयोग से किसी भी भाषा में ई-मेल किया जा सकता है । इसका प्रयोग मोबाइल की विभिन्न एप्लिकेशन पर भी किया जा सकता है | यूनिकोड के माध्यम से मेसेज का आदान-प्रदान भी एक से अधिक भाषा में किया जा सकता है |

अत: भेजा गया मेल किसी भी सिस्टम पर ओपन हो जायेगा, यदि भेजा गया मेल उस सिस्टम में ओपन किया जाये,जहां यूनिकोड इनस्टॉल नहीं है, तो मेल रीड-ओनली फॉर्म में ओपन होगा।

अध्याय -6

प्रश्नावली

6.1 यूनिकोड टेक्नालॉजी पर आधारित बुनियादी जानकारी

भारत सरकार द्वारा विकसित की गई यूनिकोड टेक्नोलॉजी का नाम -

- **GIST_OT_Typing Tool**

Microsoft Co-orporation द्वारा विकसित की गई यूनिकोड टेक्नोलॉजी का नाम -

- **INDIC INPUT Technology**

Google द्वारा विकसित की गई यूनिकोड टेक्नोलॉजी का नाम -

- **Google INPUT TOOLS**

यूनिकोड टेक्नोलॉजी द्वारा by Default फॉण्ट set होता है -

- **मंगल**

Microsoft Co-orporation द्वारा विकसित किए गए यूनिकोड कनवर्टर का नाम -

- **TBIL Data Converter version 2.0**
- **TBIL Data Converter version 3.0**
- **TBIL Data Converter version 4.0**

6.2 यूनिकोड टेक्नोलॉजी से सम्बन्धित प्रश्न

प्र1. यूनिकोड क्या है?

उ. सर्वप्रथम हमें यह समझना आवश्यक होगा की यूनिकोड न कोई फॉण्ट है,न कोई टंकण(Typing) का टूल है,न ही यह हिंदी में टंकण का तरीका है और न ही कोई सॉफ्टवेयर है| यह एक टेक्नोलॉजी है,जिसने प्रत्येक भाषा के प्रत्येक अक्षर एवं नंबर को एक यूनिक कोड दिया जिसे पूरे विश्व में अद्‌वितीय मान लिया गया|

प्र2. यूनिकोड की आवश्यकता क्यों है?

उ. वर्तमान के प्रचलित फॉण्ट जैसे-कृतिदेव,देवलिसिस आदि फॉण्ट सिस्टम स्पेसिफिक होते है,यदि आपके सिस्टम में वह फॉण्ट उपलब्ध नहीं है तो सम्बंधित भाषा में टाइप किया गया मैटर पढने योग्य नहीं होगा|

यूनिकोड टेक्नोलॉजी में टाइप किया गया मैटर,यदि आपके सिस्टम में फॉण्ट इनस्टॉल हो या ना हो वह उसी भाषा की लिपि में दिखाई देगा और पढनें योग्य भी होगा|

प्र2. क्या यूनिकोड का उपयोग करना कानूनी बाध्यता है?

उ. हाँ , मंत्रिमंडल के निर्णय के तारतम्य में जारी, म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक 904/1507/2013/I-9, दिनांक 28/06/2013 के अनुसार शासकीय कामकाज में यूनिकोड फॉण्ट का उपयोग करना आवश्यक है |

मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है, जिसने कंप्यूटर पर हिंदी भाषा के उपयोग को बढाने के लिए यूनिकोड के

उपयोग को अनिवार्य किया है तथा कृतिदेव, देवलिसिस आदि ट्रू फॉण्ट का उपयोग प्रतिबन्ध किया है |

प्र3. किस OS में यूनिकोड इनस्टॉल से पूर्व Settings की जरूरत होती है?

उ. Windows-XP

प्र4. यूनिकोड टेक्नोलॉजी में लिखा text क्या उस सिस्टम में देखा जा सकता है जिसमें यूनिकोड इनस्टॉल नहीं है ?

उ. हाँ,यूनिकोड में लिखा गया कोई भी text उस सिस्टम में भी देखा जा सकता है जिसमें यूनिकोड इनस्टॉल नहीं है,किन्तु वह रीड ओनली फॉर्मेट में ही दिखेगा | यदि हम Text या डाटा में editing करना चाहते हैं, तो हमारे सिस्टम में यूनिकोड का इनस्टॉल होना जरुरी है|

प्र5. यूनिकोड टेक्नोलॉजी पर कार्य करते समय मंगल फॉण्ट ही क्यूँ आता है?

उ. यूनिकोड टेक्नोलॉजी By Default मंगल फॉण्ट को सेट करके रखती है|

प्र6. यूनिकोड के माध्यम से कितनी भाषाओं में कार्य किया जा सकता है?

उ. यूनिकोड टेक्नोलॉजी भाषा से नहीं बल्कि उसकी लिपी से संबंधित है | इस माध्यम से उन सभी भाषओं पर कार्य किया जा सकता है,जो निम्न लिपिओं के अंतर्गत लिखी गई है:-

Latin, Greek, Cyrillic, Armenian, Hebrew, Arabic, Syriac, Thaana, Devanagari, Bengali, Gurmukhi, Oriya, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam, Sinhala, Thai, Lao, Tibetan, Myanmar, Georgian, Hangul, Ethiopic, Cherokee, Canadian Aboriginal Syllabics.

प्र7. Windows-XP में सेटिंग कैसे की जाती है?

उ. Step 1

1. Go to **Start-> Control Panel** > **Regional & Language Options** > Click on **Languages Tab**

Tick the Check box to **Install files for complex scripts...** and click **OK.**

2. Click OK

3. You will be required to place the Windows XP CD in the CD drive or give I386 folder path to enable Indic languages including Hindi

Reboot the System

Step 2

Go to **Start-> Control Panel** > **Regional & Language Options** >Click on **Languages Tab > Click on Details > Click on Advanced**

Tick the Check box "Extend support of advanced text services to all programs"

प्र8. यूनिकोड टेक्नोलॉजी पर कार्य करते समय यदि अंग्रेजी भाषा से हिंदी भाषा में कार्य करना हो तो Shortcut Keys क्या है?

उ. Shift+Alt,इन Keys के इस्तेमाल से किसी भी भाषा में स्विच किया जा सकता है | यदि अंग्रेजी भाषा पर कार्य हो रहा है तो Shift+Alt Keys के इस्तेमाल से हिंदी भाषा में switch किया जा सकता है और यदि हिंदी भाषा पर कार्य हो रहा है तो Shift+Alt Keys के इस्तेमाल से अंग्रेजी भाषा में switch किया जा सकता है|

इसी कार्य हेतु GIST-OT-TYPING टूल में CapsLock, NumLock या ScrollLock कीज़ का चयन कर सकते है|

प्र9. INDIC INPUT की टूल किट/language bar के सभी options को एक साथ देखने के लिए किस विल्कप का प्रयोग होगा?

उ. सर्वप्रथम Taskbar यूनिकोड टूल किट में हिंदी भाषा का चुनाव करें,फिर Show the language bar ऑप्शन पर क्लिक करें|

प्र10. INDIC INPUT का इस्तेमाल करते समय keyboard का चयन कहाँ से किया जाता है?

उ. Taskbar से हिंदी भाषा का चयन करें,फिर Setting/Black Arrow पर जा कर keyboard पर क्लिक करें,फिर इच्छानुसार keyboard का चयन किया जा सकता है|

प्र11. INDIC INPUT का इस्तेमाल करते समय Show keyboard का option कहाँ पर पाया जाता है?

उ. Setting/Black Arrow पर |

प्र12. यूनिकोड टेक्नोलॉजी का सबसे लेटेस्ट version कौन सा है?

उ. INDIC INPUT- 3

प्र13. यूनिकोड पर जब भी कार्य करना हो तो क्या बार-बार उसे इनस्टॉल करना होगा ?

उ. यूनिकोड इनस्टॉल करना one time process है,जिस प्रकार MS-Word सिस्टम में एक बार इनस्टॉल किया जाता है और जब भी चाहें तो उसका इस्तेमाल किया जा सकता है,उसी तरह यूनिकोड टेक्नोलॉजी को एक बार इनस्टॉल करना है और कभी भी जरुरत पर टूल किट ओपन करके टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा सकता है|

प्र14. यूनिकोड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल e-mail पर किया जा सकता है ?

उ. हाँ,यूनिकोड के माध्यम से e-mail पर messeges का आदान-प्रदान किया जा सकता है|

प्र15. Internet पर यूनिकोड टेक्नोलॉजी का उपयोग कैसे किया जा सकता है?

उ. यदि किसी टॉपिक को (हिंदी फॉण्ट में)यूनिकोड में सर्च के लिए लिखा जाता है तो उसका सर्चिंग रिजल्ट भी हिंदी फॉण्ट में ही प्राप्त होगा,जैसा उपयोग अंग्रेजी

भाषा का internet पर होता है वैसा ही उपयोग यूनिकोड टेक्नोलॉजी के माध्यम से हिंदी भाषा का internet पर किया जा सकता है|

प्र16. यूनिकोड टेक्नोलॉजी किस फॉण्ट को सपोर्ट करती है और किस को नहीं करती ?

उ. यूनिकोड टेक्नोलॉजी एरिअल यूनिकोड MS, मंगल, अक्षर यूनिकोड, अपराजिता आदि जैसे फॉण्ट को सपोर्ट करती है तथा कृतिदेव-10, कृतिदेव-20, कृतिदेव-40, देवलिसिस, देवलिसिसअणि-120, कलाकार, देवनागरी और अर्जुन जैसे फॉण्ट को सपोर्ट नहीं करती|

प्र17. यूनिकोड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने के लिए क्या हिंदी टाइपिंग आना अनिवार्य है ?

उ. यूनिकोड टेक्नोलॉजी पर वो लोग भी कार्य कर सकते है जिन्हें हिंदी टाइपिंग नहीं आती है, ऐसे users को हिंदी टाइपिंग के लिए Hindi Transliteration नामक keyboard का चयन करना होगा जिसकी सहायता से Roman टाइपिंग के माध्यम से हिंदी लिखी जा सकती है| जैसे:"ram" लिखे जाने पर screen पर दिखाई देगा "राम" |

प्र18. यूनिकोड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल क्या mobile पर किया जा सकता है?

उ. यूनिकोड टेक्नोलॉजी का इस्तमाल mobile applications पर भी किया जा सकता है और वो भी ठीक उसी प्रकार जिस प्रकार computer पर होता है|

प्र19. यूनिकोड टेक्नोलॉजी (INDIC INPUT)की size क्या है ?

उ. INDIC INPUT टूल की size 6.12 MB की है|

प्र20. Windows XP (32 bit) ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए कौन सी यूनिकोड टेक्नोलॉजी को डाउनलोड किया जा सकता है?

उ. INDIC INPUT 1,GIST-OT-TYPING TOOL .

प्र21. Windows Vista/Windows 7 (32/64 Bit) एवं Windows XP (64 bit) ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए कौन सी यूनिकोड टेक्नोलॉजी को डाउनलोड किया जा सकता है?

उ. INDIC INPUT 2,Google Input Tool, GIST-OT-TYPING TOOL .

प्र22. Windows Vista (64 Bit)/Windows 7 (64 Bit)/ Windows 8 (32/64 Bit) ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए किस यूनिकोड टेक्नोलॉजी को डाउनलोड किया जा सकता है?

उ. INDIC INPUT 3.

6.3 यूनिकोड कनवर्टर से सम्बन्धित प्रश्न

प्र1. यूनिकोड डाटा कनवर्टर version 3.0,4.0 किस OS को सपोर्ट करता है?

उ. यूनिकोड डाटा कनवर्टर 3.0

OS:- Windows-7, Windows-8,Vista,XP,2000

यूनिकोड डाटा कनवर्टर 4.0

OS:- Windows-8,Office-2013

प्र2. यूनिकोड डाटा कनवर्टर के माध्यम से कौन-कौन से applications के दस्तावेजों को कन्वर्ट किया जा सकता है?

उ. यूनिकोड डाटा कनवर्टर के माध्यम से निम्न applications के दस्तावेजों को कन्वर्ट किया जा सकता है:-

1.MS-Word

2.MS-Excel

3.MS-Access

4.Sql Database

5.Text Files

प्र3. यूनिकोड डाटा कनवर्टर version 3.0,4.0 की size क्या है?

उ. यूनिकोड डाटा कनवर्टर 3.0 की size 7.51 MB है एवं यूनिकोड डाटा कनवर्टर 4.0 की size 6.80 MB है|

प्र4. TBIL डाटा कनवर्टर के माध्यम से क्या एक ही समय में एक से अधिक files और folders को कन्वर्ट कर सकते है?

उ. हाँ, TBIL डाटा कनवर्टर के माध्यम से एक ही समय में एक साथ एक से अधिक files एवं folders को कन्वर्ट कर सकता है |

प्र5. TBIL डाटा कनवर्टर के माध्यम से कन्वर्ट की गई file क्या overwrite होती है?

उ. TBIL डाटा कनवर्टर,कन्वर्ट की गई फाइल को उसी नाम से परिवर्तित फॉण्ट के extention के साथ save कर देता है| परन्तु पुरानी फाइल के नाम एवं location में कोई बदलाव नहीं होता है|

प्र6. TBIL डाटा कनवर्टर के उपयोग हेतु क्या किसी hardware उपकरण की आवश्यकता होती है ?

उ. नहीं |

प्र7. TBIL डाटा कनवर्टर के द्वारा क्या हिंदी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिंदी भाषा में परिवर्तन किया जा सकता है?

उ. नहीं,यह कार्य ट्रांसलेटर का होता है कनवर्टर के माध्यम से यह सम्भव नहीं है |

प्र8. TBIL डाटा कनवर्टर के उपयोग क्या दस्तावेज के फॉर्मेट में कोई बदलाव आता है?

उ. नहीं,फॉर्मेट में कोई बदलाव नहीं आता |

प्र9. TBIL डाटा कनवर्टर के माध्यम से क्या नंबर्स को कन्वर्ट किया जा सकता है?

उ. हाँ |

प्र10. TBIL डाटा कनवर्टर के माध्यम से कन्वर्ट की जा रहीं एक से अधिक फाइल्स और फोल्डर का फॉण्ट क्या अलग-अलग हो सकता है?

उ. नहीं,कन्वर्ट की जा रहीं सभी फाइल्स और फोल्डर का फॉण्ट एक ही होना चाहिए |

प्र10. TBIL डाटा कनवर्टर के माध्यम से कन्वर्ट की जा रहीं एक से अधिक फाइल्स और फोल्डर का फॉण्ट क्या अलग-अलग हो सकता है?

उ. नहीं,कन्वर्ट की जा रहीं सभी फाइल्स और फोल्डर का फॉण्ट एक ही होना चाहिए |

प्र11. क्या यूनिकोड में "Mail Merge" संभव है?

उ. हाँ |

अध्याय -7

शासकीय आदेश

मध्यप्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, भोपाल

क्रमांक 904 /1507/2013/1-9 भोपाल, दिनांक 27/6/2013
28

प्रति

1. ✓ अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव
   मध्यप्रदेश शासन
   शासन के समस्त विभाग
2. समस्त विभागाध्यक्ष
3. समस्त संभागायुक्त
4. समस्त कलेक्टर
   मध्यप्रदेश

विषयः शासकीय पत्र व्यवहार एवं क्रिया-कलापों में हिन्दी यूनीकोड फॉंट की अनिवार्यता।

उपरोक्त विषयक मुख्य सचिव महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 10/4/2013 को संपन्न साधिकार समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार निर्देशित किया जाता है कि मध्यप्रदेश शासन के हिन्दी में किये जा रहे समस्त पत्र व्यवहार और शासकीय कार्य में यूनीकोड फॉंट (Unicode Font) का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए।

2/ इस आदेश के जारी होने के साथ ही शासकीय कार्य में Kruti Dev, Devlys या इसी प्रकार के अन्य हिन्दी फॉंट का उपयोग तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है।

3/ इन फॉंट के संबंध में विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाईट http://www.irdc.in से निशुल्क डाउनलोड की जा सकती है। साथ ही मैप-आईटी की वेबसाईट www.mapit.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

27.6.2013

(हेमंत बंगाले)
अवर सचिव
मध्यप्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

पृ. क्रमांक /1507/2013/1-9 भोपाल, दिनांक 27/6/2013

प्रतिलिपि:

1. ✓ प्रमुख सचिव/सचिव/ओएसडी (श्री सक्सेना), मध्यप्रदेश शासन, मुख्यमंत्री, मंत्रालय, भोपाल
2. निज सचिव, प्रमुख सचिव/सचिव, मध्यप्रदेश शासन, सा.प्र.वि., मंत्रालय, भोपाल
3. सचिव (समन्वय)/अवर सचिव (आर), मुख्य सचिव कार्यालय, मंत्रालय, भोपाल

अवर सचिव
मध्यप्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग

अध्याय -8

सन्दर्भ सूची

1) GIST_OT_Typing Tool डाउनलोड करने हेतु - www.tdil.mit.gov.in

2) Indic Input Tool डाउनलोड करने हेतु - www.bhashaindia.com

3) Google Input Tool डाउनलोड करने हेतु - http://www.google.com/inputtools/windows/

4) TDIL Converter डाउनलोड करने हेतु - www.tdil.mit.gov.in

5) TBIL Converter डाउनलोड करने हेतु - http://tbil-converter.software.informer.com/